राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,23 जनवारी–2023 वर्ष–6,अंक–01 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कठुआ के हीरानगर से आगे बढ़ी 'भारत जोड़ो यात्रा', कड़ी सुरक्षा में चल रहे राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' जम्मू में शनिवार को हुए दो विस्फोटों के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर से रविवार सुबह फिर से शुरू हुई।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' जम्मू में शनिवार को हुए दो विस्फोटों के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर से रविवार सुबह फिर से शुरू हुई। यह पदयात्रा एक दिन के विश्राम के बाद जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर से सुबह 7 बजे के आसपास शुरू हुई। पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने पूरे राजमार्ग को सील कर दिया है।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष विकार रसूल वानी, कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला और तिरंगा थामे सैकड़ों स्वयंसेवकों के साथ राहुल ने सुबह लगभग आठ बजे लोंदी जांच चौकी पार करने के बाद सांबा जिले के तपयाल-गगवाल में प्रवेश किया। इस दौरान, सड़क के दोनों ओर खड़े उत्साही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

रविवार को लगभग 25 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद 'भारत यात्री' चक नानक में रात्रि विश्राम करेंगे। सोमवार सुबह वे सांबा के विजयपुर से जम्मू की तरफ बढ़ेंगे। अधिकारियों ने कहा कि राहुल की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व अन्य सुरक्षा एजेंसियां शांतिपूर्ण मार्च सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रख रही हैं। जम्मू शहर के बाहरी इलाके नरवाल में शनिवार को हुए दो विस्फोटों के मद्देनजर पूरे केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन विस्फोटों में नौ लोग घायल हो गए थे।

पुलिस को संदेह है कि नरवाल के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक दुकान में खड़ी एसयूवी और पास के कबाड़खाने में मौजूद वाहन में विस्फोट करने के लिए ढ्ढश्चष्ठ का इस्तेमाल किया गया था। ये विस्फोट ऐसे समय हुए हैं, जब जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' और आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 7 सितंबर 2022 को शुरू हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' 19 जनवरी को पंजाब से जम्मू-कश्मीर में दाखिल हुई थी। यह पदयात्रा 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में समाप्त होगी, जब राहुल गांधी वहां स्थित कांग्रेस मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष विकार रसूल वानी, कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला और तिरंगा थामे सैकड़ों स्वयंसेवकों के साथ राहुल ने सुबह लगभग आठ बजे लोंदी जांच चौकी पार करने के बाद सांबा जिले के तपयाल-गगवाल में प्रवेश किया। इस दौरान, सड़क के दोनों ओर खड़े उत्साही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

मदरसे कम करेगी असम सरकार, सीएम सरमा ने बताया रजिस्ट्रेशन का प्लान

गुवाहाटी। मदरसों को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह राज्य में मदरसों की संख्या कम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में रजिस्ट्रेशन सिस्टम लागू होगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा, पहले चरण में हम राज्य में मदरसों की संख्या कम करना चाहते हैं। हम राज्य में शिक्षा का सामान्य तरीका रखना चाहते हैं और मदरसों का रजिस्ट्रेशन करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के साथ मिलकर वह काम कर रहे हैं और वे भी इस काम में मदद कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले मुख्यमंत्री ने असम के डीजीपी भास्कर ज्योति महंत से भी मदरसों में सुधारों को लेकर चर्चा की थी। इसके बाद गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीजीपी ने कहा था, असम में मदरसे ठीक ढंग से चल रहे हैं। मदरसा चलाने वाले 68 लोगों ने उनसे मुलाकात की।

असम के मुख्यमंत्री सरमा ने कुछ दिन पहले ही कहा थाकि मदरसों में पढ़ाने के लिए आने वाले राज्य से बाहर के टीचर्स को समय-समय पर थाने जाकर हाजिरी देनी होगी। इसके बाद एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने निशाना साधा था और कहा था कि भारत के लोगों को कहीं भी रहने और काम करने का अधिकार है। उन्होंने सीएम सरमा पर हमला करते हुए कहा था, असम कोई दूसरा देश नहीं है जहां जाने के लिए भारतीयों को आपसे परमीशन लेनी पड़ी। उन्होंने कहा था, आरएसएस द्वारा चलाए जाने वाले स्कूलों और उसके शिक्षकों के बारे में क्या किया जाएगा? क्या होगा अगर दूसरे राज्य में असम पर इसी तरह के प्रतिबंध लगाने लगें? बताते चलें कि पिछले साल असम में कई मदरसे गिराए गए थे। दावा था कि यहां देश विरोधी गतिविधियां चल रही थीं और मदरसों का अवैध निर्माण किया गया था। बोंगाईगांव में मदरसा गिराए जाने के बाद भी खूब राजनीति हुई थी।

घरों को गिराने का काम शुरू, दरारों वाले मकानों की बढ़ी संख्या

नई दिल्ली: उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने की घटना के कारण असुरक्षित इमारतों को गिराने का काम मौसम में सुधार के साथ शुरू हो गया। अधिकारियों ने बताया कि दरार वाली इमारतों की संख्या बढ़कर 863 हो गई है। उन्होंने बताया कि यहां जेपी कॉलोनी के निकट जल प्रवाह को घटाकर 136 एलपीएम कर दिया गया है। आपदा प्रबंधन के सचिव रंजीत कुमार सिन्हा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वहां (जेपी कॉलोनी) पानी का प्रवाह शुरू में 540 एलपीएम था। इसमें पर्याप्त कमी एक सकारात्मक संकेत है। दो जनवरी से कॉलोनी के पास एक जगह से पानी बह रहा है। उन्होंने कहा, ''अब तक अंतरिम राहत के रूप में 242 प्रभावित परिवारों को 3.62 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को हुई बर्फबारी और बारिश के कारण ठंड बढ़ गयी है, जिससे अस्थायी राहत शिविरों में रह रहे जोशीमठ के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने कहा था, ''जोशीमठ में असुरक्षित होटलों और घरों को खराब मौसम के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। सिन्हा के अनुसार, जोशीमठ में भूमि धंसने के बाद 863 घरों में दरारें आ गई हैं और 269 परिवारों को अस्थायी राहत केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। शनिवार सुबह मौसम साफ होने के साथ ही होटलों-मलारी इन और माउंट व्यू- तथा पीडब्ल्यूडी के निरीक्षण बंगले को ध्वस्त करने में ड्रिलिंग मशीन और बुलडोजर लगा दिये गये। यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''जोशीमठ में प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करना वर्तमान में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। बयान में कहा गया है कि प्रभावित लोगों को ठंड से बचाने के लिए अस्थाई राहत केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, 76 परिवारों को हीटर और ब्लोअर, 110 लोगों को गर्म पोशाकें, 175 को गर्म पानी की बोतलें, 516 को ऊनी टोपी, 280 को गर्म मोजे और 196 लोगों को शॉल की आपूर्ति की गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 771 लोगों को खाद्यान्न, 601 को कंबल और 114 को दैनिक इस्तेमाल की चीजों की आपूर्ति की गई है। बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों तथा अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग के लिए मशहूर औली के लिए प्रवेश द्वार कहलाने वाला जोशीमठ इमारतों, सड़कों और सार्वजनिक सुविधाओं में दिखाई देने वाली दरारों के कारण संकट में दिखाई दे रहा है।

महाराष्ट्र में लागू होगी पुरानी पेंशन योजना! मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया संकेत

मुंबई। महाराष्ट्र में पुरानी पेंशन योजना को लेकर सीएम एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा है कि राज्य सरकार शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना को लेकर सकारात्मक है। आगामी विधान परिषद चुनाव के लिए एक प्रचार रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने शनिवार को कहा कि राज्य का शिक्षा विभाग पुरानी पेंशन योजना का अध्ययन कर रहा है।

शिक्षा विभाग OPS का कर रहा अध्ययन

शिंदे ने यह भी कहा कि राज्य सरकार हाल ही में आयोजित दावोस शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर के संबंध में विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों का अपने काम से जवाब देगी। शिंदे ने कहा कि सरकार

शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों, गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए पुरानी पेंशन योजना और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षण के लिए सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग पुरानी पेंशन योजना का अध्ययन कर रहा है।

महा विकास अघाड़ी पर उठाए सवाल

दावोस बैठक के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुछ विदेशी कंपनियां प्रत्यक्ष निवेश करने के बजाय संयुक्त उद्यमों में जाना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए दावोस सम्मेलन में कई उद्योगपति भारत से हैं, लेकिन यह विदेशी निवेश ही होगा। मुख्यमंत्री ने पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार द्वारा हस्ताक्षरित समझौतों पर भी सवाल उठाया और कहा कि उस सरकार में कुछ नहीं हुआ।

ये है पुरानी पेंशन योजना

बता दें कि पुरानी पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों को निर्धारित पेंशन मिलती है। इसके तहत, कर्मचारी पेंशन के रूप में प्राप्त अंतिम वेतन की 50 प्रतिशत राशि का हकदार होता है। हालांकि, पेंशन राशि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत अंशदायी है, जो 2004 से प्रभावी है।

जल्लीकट्टू देखने आए 14 साल के बच्चे की गई जान, बैल ने पेट पर किया था वार

नई दिल्ली। तमिलनाडु के धर्मपुरी में खेले जा रहे हैं जल्लीकट्टू का खेल देखने आए 14 साल के लड़के गोकुल को एक सांड ने घायल कर दिया, बाद में लड़के की मौत हो गई। यह कार्यक्रम धर्मपुरी जिले के थाडांगम गांव में आयोजित किया गया था। घटना के वक्त गोकुल अपने रिश्तेदारों के साथ जल्लीकट्टू देखने गया था। एक बैल ने उसके पेट में वार कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। गोकुल को तुरंत धर्मपुरी सरकारी अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। धर्मपुरी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और फुटेज की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गोकुल कैसे घायल हुआ था। गोकुल इस साल जल्लीकट्टू में मरने वाला चौथा शख्स है। जल्लीकट्टू कार्यक्रम के दौरान गोकुल के पेट में एक सांड ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया था।

क्या होता जल्लीकट्टू?

जल्लीकट्टू जनवरी के मध्य में पोंगल की फसल के समय खेला जाने वाला एक लोकप्रिय खेल है। विजेता का फैसला इस बात से तय होता है कि एक बैल के कूबड़ पर कोई शख्स कितने समय तक रहता है। यह

आमतौर पर तमिलनाडु में मट्टू पोंगल के हिस्से के रूप में प्रचलित है, जो चार दिवसीय फसल उत्सव के तीसरे दिन होता है। तमिल शब्द मट्टू का अर्थ बैल होता है, और पोंगल का तीसरा दिन मवेशियों को समर्पित होता है, जो खेती में एक प्रमुख भागीदार हैं।

खेल पर बहस जारी है जिसमें एक पक्ष पशु अधिकारों के उल्लंघन का दावा करता है और दूसरा लोगों की संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की वकालत करता है।

मौसम फिर लेगा करवट, दिल्ली समेत 6 राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पिछले दो हफ्तों से पड़ रही कड़ाके की ठंड से लोगों को अब राहत मिलती दिख रही है। शीतलहर न चलने के कारण बीते दो दिनों से तापमान में कमी देखने को मिली है। इस बीच IMD के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण आने वाले कुछ दिनों में राजधानी दिल्ली समेत 6 राज्यों में बारिश की संभावना है।

Delhi में 24 से तीन दिन बारिश

राजधानी दिल्ली में 24 जनवरी से मौसम एकबार फिर करवट लेगा। मौसम विभाग के अनुसार 24 से 26 तक दिल्ली में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश की संभावना है। इसके साथ ही अगले सप्ताह तक दिल्ली में तापमान में इजाफा देखने को मिलेगा। आज भी तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल

सकती है।

उत्तराखंड-हिमाचल में होगी तेज बारिश–आईएमडी के ताजा मौसम अपडेट के अनुसार उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में 24 और 25 जनवरी को भारी बारिश का अनुमान है। वहीं, पंजाब-हरियाणा में भी 24 जनवरी को बारिश पड़ने की संभावना है।

UP में छाए रहेंगे बादल–उत्तर प्रदेश में इस सप्ताह तापमान में इजाफा देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार यूपी के कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं और तापमान में भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है। वहीं, लखनऊ-आगरा में आज भी धूप खिलेगी।

श्रीनगर में वर्षा व हिमताल की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ के चलते कई क्षेत्रों में हल्की वर्षा और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात हुआ। इससे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे साढ़े घंटे तक यातायात ठप रहा। दूसरी तरफ श्रीनगर में दृश्यता कम होने के कारण विमानों के परिचालन भी प्रभावित हुआ। कई विमान देर से उड़े हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और वर्षा व हिमताल की संभावना जताई है।

बृजभूषण शरण सिंह पर ऐक्शन का असर! अयोध्या में कुश्ती संघ की बैठक 4 हफ्तों के लिए टली

अयोध्या। अयोध्या में होने वाली भारतीय कुश्ती महासंघ की आम परिषद की बैठक रद्द कर दी गई है। महासंघ और उसके प्रमुख के खिलाफ शीर्ष पहलवानों के विरोध के बाद अस्थायी रूप से हटने वाले डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में होने वाली बैठक में आरोपों पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि खेल मंत्रालय ने शनिवार को विनेश फोगट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, अंशु मलिक और रवि कुमार दहिया सहित कई पहलवानों आरोपों की जांच के लिए एक निगरानी समिति का गठन किया है, जिसके बाद यह फैसला हुआ।

इससे पहले यह जानकारी सामने आई थी कि आज सुबह 10 बजे अयोध्या में कुश्ती महासंघ की बैठक होनी है, जिसमें अस्थायी रूप से हटाए गए बृज भूषण शरण पर कोई फैसला हो सकता है लेकिन, बैठक रद्द कर दी गई। इससे पहले शनिवार को खेल मंत्रालय ने पहलवानों के अनुरोध पर बाहुबली बृजभूषण पर जांच के लिए समिति का गठन किया था। यह निरीक्षण समिति डब्ल्यूएफआई और उसके अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोपों की जांच करेगी और जांच पूरी होने तक महासंघ के दैनिक

कामकाज को भी संभालेगी।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को पुष्टि की थी कि जांच पूरी होने तक बृजभूषण पद से हट जाएंगे। खेल मंत्रालय द्वारा यह कार्रवाई और आरोपों की विस्तृत जांच के आश्वासन के बाद पहलवान अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त करने पर सहमत हुए हैं। उधर, डब्ल्यूएफआई ने शनिवार को अपने अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न सहित सभी आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया कि खेल निकाय में ÷मनमानेपन और कुप्रबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है÷।

पूर्व घटनाक्रमों की तरफ जाएं तो खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार तड़के अपने दिल्ली आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगे आरोपों की जांच के लिए एक निगरानी समिति के गठन की घोषणा की और आश्वासन दिया कि चार सप्ताह में न्याय होगा। कहा, खिलाड़ियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए, हमने एक निरीक्षण समिति गठित करने का निर्णय लिया है, जिनके नामों की घोषणा कल की जाएगी। जांच अगले चार सप्ताह में पूरी हो जाएगी, जिसमें लगाए गए सभी आरोपों की पूरी तरह से जांच की जाएगी और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। ठाकुर ने यह भी कहा कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह जांच पूरी होने तक अलग हट जाएंगे। उन्होंने कहा, ÷समिति जांच पूरी होने तक पूरे दिन के कामकाज को देखेगी और तब तक बृजभूषण शरण सिंह अलग हट जाएंगे और जांच में सहयोग करेंगे।÷ भारतीय ओलंपिक संघ (आईओसी) ने भी पहलवानों के आरोपों की जांच के लिए महान मुक्केबाज मैरी कॉम की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय समिति का गठन किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पहलवानों के आंसू

यह घटनाक्रम दुखद ही है कि दुनिया में पदक जीत कर तिरंगा लहराने वाली महिला पहलवान जंतर-मंतर पर लाचार होकर आंसू बहाएं। ज्यादा दिन नहीं हुए जब हरियाणा में एक महिला कोच ने खेल मंत्री पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये थे। यूं भी गाहे-बगाहे विभिन्न खेलों में अपने देश के सपने पूरे करने में लगी महिला खिलाड़ि यों के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले सामने आते रहे हैं। लेकिन कोई पारदर्शी व फुलप्रूफ तंत्र नहीं बना, जो प्रतिभाओं की सुरक्षा के लिये कारगर हो। कुश्ती संघ के मुखिया और भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह पर अंतर्राष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक व बजरंग पूनिया आदि ने जो आरोप लगाये हैं, वे गंभीर प्रवृत्ति के हैं, जिनको गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच करवायी जानी चाहिए। यह प्रकरण बताता है कि महिला खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के अलावा किन कठिन परिस्थितियों व दबावों में काम करना होता है, विरोध करने पर उन्हें अपना कैरियर दांव पर लगाना होता है। यह विडंबना ही है कि खेल संघों के निरंकुश व्यवहार तथा महिला खिलाड़ियों के साथ यौन दुर्व्यवहार रोकने के लिये कारगर तंत्र नहीं बनाया गया। हरियाणा में भी महिला आयोग के प्रमुख की तो नियुक्ति हुई है लेकिन संस्था के अन्य सदस्यों का चयन नहीं हो सका है। महिलाओं से यौन दुर्व्यवहार की स्थिति इतनी भयावह है कि महिलाओं की सुरक्षा का जायजा लेने गई दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल खुद छेड़छाड़ का शिकार हो गईं। दिल्ली में एम्स के पास नशे में धुत एक व्यक्ति ने उनसे बदसलूकी ही नहीं की बल्कि 15 मीटर तक कार में घसीटा भी। यह स्थिति भयावह है। ऐसे में आम महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह गंभीर स्थिति है। जंतर-मंतर पर इस रक्त जमाती सर्दी में धरने पर बैठी खिलाड़ि यों को देखकर स्वाभाविक सवाल उठता है कि देश में कोई तंत्र ऐसा नहीं है जो समय रहते पीड़िताओं की आवाज सुन सके? क्यों सरकार तब जागती है जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। क्यों राजनेताओं को खेल संघों पर बैठाया जाता है? क्यों ब्रजभूषण कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर एक दशक से अधिक समय सें काबिज है? निःसंदेह, कोई भी खेल संगठन हो, उसके कर्ता-धर्ताओं का श्रेष्ठ आचरण बुनियादी शर्त है। इन संगठनों पर वे ही लोग नियुक्त होने चाहिए, जो खेल और खिलाड़ियों के प्रति संवेदनशील हों। बेशक, सरकार ने कुश्ती फेडरेशन से जवाब मांगा है, लेकिन सरकार की पहल देर से हुई है। वहीं संस्था के अध्यक्ष ऐसे आरोपों से इनकार कर रहे हैं। बहरहाल, आरोपों की हकीकत को जांच के जरिये तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। ऐसी पारदर्शी व्यवस्था स्थापित होनी चाहिए कि खेल संगठन कुछ लोगों की घेराबंदी का शिकार न हों। असली मुद्दा ये भी है कि यदि खेल संगठनों का यही आलम रहा तो लोग अपनी बेटियों के खेलों में भाग लेने से कतराएंगे। जैसा कि बेटियों को पहलवानी के लिये प्रेरित करने वाले बहुचर्चित पहलवान महावीर फोगाट ने भी कहा है कि यदि ऐसी ही स्थितियां रहीं तो मां-बाप अपनी बेटियों को खेलों से दूर रखेंगे। वैसे इस प्रकरण में हरिणाणा की खाप-पंचायतों की पहल सकारात्मक रही है और उन्होंने बेटियों को संरक्षण और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता की बात कही है। निःसंदेह यह घटनाक्रम दु:ख और चिंता का विषय है। देश में सुनिश्चित होना चाहिए कि खांटी राजनेता खेल संघों पर काबिज न हो सकें।

अद्वितीय प्रतिभा के धनी-श्री सुभाष चन्द्र बोस जन्म जयंती

नेता जी सिविल सर्विस करना चाहते थे अंग्रेजों के शासन के चलते उस समय भारतीयों के लिए सिविल सर्विस में जाना बहुत मुश्किल था तब उनके पिता ने इंडियन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए उन्हें इंग्लैंड भेज दिया। इस परीक्षा में नेता जी चोथे स्थान में आये जिसमें इंग्लिश में उन्हें सबसे ज्यादा नंबर मिले। नेता जी स्वामी विवेकानंद को अपना गुरु मानते थे वे उनकी द्वारा कही गई बातों का बहुत अनुसरण करते थे। नेता जी के मन में देश के प्रति प्रेम बहुत था वे उसकी आजादी के लिए चिंतित थे जिसके चलते 1921 में उन्होंने इंडियन सिविल सर्विस की नौकरी ठुकरा दी और भारत लौट आये। भारत लौटते ही नेता जी स्वतंत्रता की लड़ाई में कूद गए उन्होंने भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया।

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ 23जनवरी)

(तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा'-का उद्घोष करने वाले)

श्री सुभाषचंद्र बोस भारत देश के महान स्वतंत्रता संग्रामी थे उन्होंने देश को अंग्रेजों से आजाद कराने के लिए बहुत कठिन प्रयास किये। उड़ीसा के बंगाली परिवार में जन्मे सुभाषचंद्र बोस एक संपन्न परिवार से थे लेकिन उन्हे अपने देश से बहुत प्यार था और उन्होंने अपनी पूरी जि़न्दिगी देश के नाम कर दी थी। सुभाषचंद्र जी का जन्म कटक उड़ीसा के बंगाली परिवार में हुआ था उनके 7 भाई और 6 बहनें थी। अपनी माता पिता की वे 9 वीं संतान थे नेता जी अपने भाई शरदचन्द्र के बहुत करीब थे। उनके पिता जानकीनाथ कटक के महशूर और सफल वकील थे जिन्हें राय बहादुर नाम की उपाधि दी गई थी। नेता जी को बचपन से ही पढाई में बहुत रूचि थी वे बहुत मेहनती और अपने टीचर के प्रिय थे। लेकिन नेता जी को खेल कूद में कभी रूचि नहीं रही। नेता जी ने स्कूल की पढाई कटक से ही पूरी की थी। इसके बाद आगे की पढाई के लिए वे कलकत्ता चले गए वहां प्रेसीडेंसी कॉलेज से फिलोसोफी में बी ऐ किया। इसी कॉलेज में एक अंग्रेज प्रोफेसर के द्वारा भारतीयों को सताए जाने पर नेता जी बहुत विरोध करते थे उस समय जातिवाद का मुद्दा बहुत उठाया गया था। ये पहली बार था जब नेता की के मन में अंग्रेजों के खिलाफ जंग शुरू हुई थू। नेता जी सिविल सर्विस करना चाहते थे अंग्रेजों के शासन के चलते उस समय भारतीयों के लिए सिविल सर्विस में जाना बहुत मुश्किल था तब उनके पिता ने इंडियन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए उन्हें इंग्लैंड भेज दिया। इस परीक्षा में नेता जी चोथे स्थान में आये जिसमें इंग्लिश में उन्हें सबसे ज्यादा नंबर मिले। नेता जी स्वामी विवेकानंद को अपना गुरु मानते थे वे उनकी द्वारा कही गई बातों का बहुत अनुसरण करते थे। नेता जी के मन में देश के प्रति प्रेम बहुत था वे उसकी आजादी के लिए चिंतित थे जिसके चलते 1921 में उन्होंने इंडियन सिविल सर्विस की नौकरी ठुकरा दी और भारत लौट आये। भारत लौटते ही नेता जी स्वतंत्रता की लड़ाई में कूद गए उन्होंने भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया। शुरुआत में नेता जी कलकत्ता में कांग्रेस पार्टी के नेता रहे चितरंजन दास के नेतृत्व में काम करते थे। नेता जी चितरंजन दास को अपना राजनीती गुरु मानते थे। 1922 में चितरंजन दास ने मोतीलाल नेहरु के साथ कांग्रेस को छोड़ अपनी अलग पार्टी स्वराज पार्टी बना ली थी। जब चितरंजन दास अपनी पार्टी के साथ मिल रणनीति बना रहे थे नेता जी ने उस बीच कलकत्ता के नोजवान छात्र-छात्रा व मजदूर लोगों के बीच अपनी खास जगह बना ली थी। वे जल्द से जल्द पराधीन भारत को स्वाधीन भारत के रूप में देखना चाहते थे। अब लोग सुभाषचंद्र जी को नाम से जानने लगे थे उनके काम की चर्चा चारों और फ़ैल रही थी। नेता जी एक नौजवान सोच लेकर आये थे जिससे वो यूथ लीडर के रूप में चर्चित हो रहे थे। 1928 में गुवाहाटी में कांग्रेस् की एक बैठक के दौरान नए व पुराने मेम्बेर्स के बीच बातों को लेकर मतभेद उत्पन्न हुआ। नए युवा नेता किसी भी नियम पर नहीं चलना चाहते थे वे स्वयं के हिसाब से चलना चाहते थे लेकिन पुराने नेता ब्रिटिश सरकार के बनाये नियम के साथ आगे बढ़ना चाहते थे। सुभाषचंद्र और गाँधी जी के विचार बिल्कुल अलग थे। नेता जी गाँधी जी की अहिंसावादी विचारधारा से सहमत नहीं थे उनकी सोच नौजवान वाली थी जो हिंसा में भी विश्वास रखते थे। दोनों की विचारधारा अलग थी लेकिन मकसद एक था दोनों ही भारत देश की आजादी जल्द से जल्द चाहते थे। 1939 में नेता जी राष्ट्रिय कांग्रेस के अध्यक्ष के पद के लिए खड़े हुए इनके खिलाफ गांधीजी ने पट्टाभि सिताराम्या को खड़ा किया था जिसे नेता जी ने हरा दिया था। गांधीजी को ये अपनी हार लगी थी जिससे वे दुखी हुए थे नेता जी से ये बात जान कर अपने पद से तुरंत इस्तीफा दे दिया था। विचारों का मेल ना होने की वजह से नेता जी लोगों की नजर में गाँधी विरोधी होते जा रहे थे जिसके बाद उन्होंने खुद कांग्रेस छोड़ दी थी।1939 में द्वितीय विश्व युध्य चल रहा था तब नेता जी ने वहां अपना रुख किया वे पूरी दुनिया से मदद लेना चाहते थे ताकि अंग्रेजो को उपर से दबाब पड़े और वे देश छोडकर चले जाएँ। इस बात का उन्हें बहुत अच्छा असर देखने को मिला जिसके बाद ब्रिटिश सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया। जेल में लगभग 2 हफ्तों तक उन्होंने ना खाना खाया ना पानी पिया। उनकी बिगड़ती हालत को देख देश में नौजवान उग्र होने लगे और उनकी रिहाई की मांग करने लगे। तब सरकार ने उन्हें कलकत्ता में नजरबन्द कर रखा था। इस दौरान 1941 में नेता जी अपने भतीजे शिशिर की मदद ने वहां से भाग निकले। सबसे पहले वे बिहार के गोमाह गए वहां से वे पाकिस्तान के पेशावर जा पहुंचे। इसके बाद वे सोवियत संघ होते हुए जर्मनी पहुँच गए जहाँ वे वहां के शासक एडोल्फ हिटलर से मिले।

राजनीती में आने से पहले नेता जी दुनिया के बहुत से हिस्सों में घूम चुके थे देश दुनिया की उन्हें अच्छी समझ थी उन्हें पता था हिटलर और पूरा जर्मनी का दुश्मन इंग्लैंड था ब्रिटिशों से बदला लेने के लिए उन्हें ये कूटनीति सही लगी और उन्होंने दुश्मन के दुश्मन को दोस्त बनाना उचित लगा। इसी दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की एमिली से शादी कर ली थी जिसके साथ में बर्लिन में रहते थे उनकी एक बेटी भी हुई अनीता बोस।1943 में नेता जी जर्मनी छोड़ साउथ-ईस्ट एशिया मतलब जापान जा पहुंचे। यहाँ वे मोहन सिंह से मिले जो उस समय आजाद हिन्द फ़ौज के मुख्य थे। नेता जी मोहन सिंह व रास बिहारी बोस के साथ मिल कर 'आजाद हिन्द फ़ौज' का पुनर्गठन किया। इसके साथ ही नेता जी 'आजाद हिन्द सरकार' पार्टी भी बनाई। 1944 में नेता जी ने अपनी आजाद हिन्द फ़ौज को 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' नारा दिया। जो देश भर में नई क्रांति लेकर आया।नेता जी इंग्लैंड गए जहाँ वे ब्रिटिश लेबर पार्टी के अध्यक्ष व राजनीती मुखिया लोगों से मिले जाना उन्होंने भारत की आजादी और उसके भविष्य के बारे में बातचीत की। ब्रिटिशों को उन्होंने बहुत हद तक भारत छोड़ने के लिए मना भी लिया था।

1945 में जापान जाते समय नेता जी का विमान ताईवान में क्रेश हो गया लेकिन उनकी बॉडी नहीं मिली थी कुछ समय बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। भारत सरकार ने इस दुर्घटना पर बहुत सी जांच कमिटी भी बैठाई लेकिन आज भी इस बात की पुष्टि आज भी नहीं हुई है। मई 1956 में शाह नवाज कमिटी नेता जी की मौत की गुथी सुलझाने जापान गई लेकिन ताईवान ने कोई खास राजनीती रिश्ता ना होने से उनकी सरकार ने मदद नहीं की। 2006 में मुखर्जी कमीशन ने संसद में बोला कि 'नेता जी की मौत विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी और उनकी अस्थियाँ जो रेंकोजी मंदिर में रखी हुई है वो उनकी नहीं है।' लेकिन इस बात को भारत सरकार ने ख़ारिज कर दिया। आज भी इस बात पर जांच व विवाद चल रहा है। 23 जनवरी को नेताजी सुभास्ज चन्द्र बोस जी का जन्म हुआ था इसलिए इस दिन को प्रतिवर्ष सुभाष चन्द्र बोस जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस साल में 23 जनवरी को उनका 125 वें जन्मदिन के रूप में मनाया जायेगा। वर्ष 1942 में नेता सुभाष चंद्र बोस जी हिटलर के पास गए और भारत को आजाद करने का प्रस्ताव उसके सामने रखा परंतु भारत को आजाद करने के लिए हिटलर का कोई दिलचस्पी नहीं था और उसने नेताजी को कोई भी स्पष्ट वचन नहीं दिया था।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आज का राशिफल

पराक्रम के प्रेरणापुंज थे नेता जी

(लेखक- डॉ शंकर सुवन सिंह)

पराक्रम का शाब्दिक अर्थ है शौर्य या बल। पराक्रम (परा +क्रम) में परा उपसर्ग और क्रम मूल शब्द है। परा अर्थात नाश और क्रम अर्थात स्थिति या व्यवस्था। किसी स्थिति या व्यवस्था का नाश ही पराक्रम कहलाता है। यहां स्थिति या व्यवस्था का तात्पर्य गुलामी से है। पराक्रम स्वतंत्रता को इंगित करता है। ऐसा बल जो आपको गुलाम परिस्थितियों से स्वतंत्र कर दे वो ही पराक्रम कहलाता है। भारत का गुलामी की जंजीरों से स्वतंत्र होना ही नेता जी के पराक्रम की निशानी थी। सुभाष चंद्र बोस पराक्रमी पुरुष थे। उन्होंने अपने पराक्रम से आज़ादी की जंग को नई ऊर्जा प्रदान की थी। भारत को वीर भूमि का देश कहा जाता है। वीर भूमि की वीरता को जब -जब आक्रांताओं ने चुनौती दी तब तब भारत की माता रूपी भूमि की कोख से वीर सपूतों ने जन्म लिया। इन वीर सपूतों में सुभाष चंद्र बोस भी थे। जय हिन्द का नारा देने वाले सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा प्रांत के कटक में हुआ था। उनके पिता जानकी दास बोस एक प्रसिद्ध वकील थे। प्रारम्भिक शिक्षा कटक में प्राप्त करने के बाद यह कलकता में उच्च शिक्षा के लिये गये। नेताजी सुभाष चंद्र बोसस्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान से बहुत ज्यादा प्रभावित थे। सुभाष चन्द्र बोस भारतीय इतिहास के ऐसे युग पुरुष हैं जिन्होंने आजादी की जंग को बल प्रदान किया था। भारत को आजाद कराने में सुभाष चंद्र बोस की अहम भूमिका थी। सुभाष चंद्र बोस भारतीय इतिहास का एक ऐसा चरित्र है जिसकी तुलना विश्व में किसी से नहीं की जा सकती। सुभाष चंद्र बोस वर्ष 1920 में भारतीय सिविल सेवा (आई सी एस) परीक्षा में चौथा स्थान पाए थे। अंग्रेजी हुकूमत के समय आई सी एस परीक्षा पास करने वाले ये पहले भारतीय थे। सुभाष जी ने दुनिया के सबसे बड़े तानाशाह हिटलर से मुलाकात की थी। सुभाष जी की देशभक्ति देख कर हिटलर उनके बड़े प्रशंसक बन गए थे। जर्मनी के तानाशाह अडोल्फ हिटलर ने ही सुभाष चंद्र बोस को पहली बार नेता जी कहकर बुलाया था। तभी से सुभाष चंद्र बोस को नेता जी कहा जाता है। नेता का शाब्दिक अर्थ होता है नेतृत्व करने वाला अर्थात अगुआ या अगुआई करने वाला। यह उपाधिभारत में सिर्फ सुभाष चंद्र बोस को ही मिली है। नेता जी ने कहा भी था संघर्ष ने मुझे मनुष्य बनाया मुझमे आत्मविश्वास उत्पन्न हुआजो पहले नहीं था। गीता में भी कहा गया है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्य: अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। इससे प्रमाणित होता है की सुभाष चंद्र बोस का अध्यात्म में भी रुझान था। हिन्दुओं की पवित्र धर्मक पुस्तक गीता से नेता जी प्रेरणा लेकर पराक्रमी पुरुष बने। राष्ट्र प्रेम में मृत्यु अमरत्व की ओर ले जाती है। अतएव राष्ट्र भक्ति से बढ़कर कोई भक्ति नहीं होती है। राष्ट्र भक्ति में जान भी गवानी पड़े तो वह मृत्यु नहीं अपितु अमरत्व कहलाती है। वर्ष 2023 में भारतीय स्वतंत्रता के प्रमुख सेनानी नेता जी सुभाषचन्द्र बोस की 127 वीं जयंती है। वर्ष 2021 में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नेताजी के जन्मदिन (23 जनवरी) को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया था। अतएव वर्ष 2021 में सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 23 जनवरी को पराक्रम दिवस की शुरुआत हुई। भारत सरकार ने इसके लिए एक गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया था। पराक्रम दिवस भारत के युवाओ में राष्ट्र के प्रति प्रेम भक्ति और बलिदान की भावना को जाग्रत करेगा। प्रथम पराक्रम दिवस वर्ष 2021 में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक लेटर्स ऑफ़ नेताजी (1926-1938)卐 का विमोचन किया गया। यह पुस्तक नेता जी के पत्रों का संकलन है। नेता जी ने राष्ट्र भक्ति के जज्बे को कभी मरने नहीं दिया। नेता जी ने भारतवासियों के दिल में राष्ट्र भक्ति के जज्बे को अमर कर दिया भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सुभाष चंद्र बोस अग्रणी नेता थे। सुभाष चंद्र बोस अच्छे नेता होने के साथ-साथ बेहतरीन लेखक भी थें। उन्होंने पुस्तक 'द इंडियन स्ट्रगल 1920-1934' लिखा जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर आधारित है। नेता जी ने वर्ष 1937 में अपने यूरोप दौरे के समय एन इंडियन पिलिग्रिम' नामक पुस्तक लिखी थी। नेताजी दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति थे। उनके राष्ट्रवादी दृष्टिकोण ने उन्हें भारत का नायक बना दिया। अतएव हम कह सकते हैं कि नेता जी पराक्रम के पुरोधा और प्रेरणापुंज थे। गुलामी की दीवार को गिराने वाला नायक नेता जी ही थे। अतएव हम कह सकते हैं कि नेता जी आज़ादी की जंग को बल प्रदान करने वाले एकमात्र महानयक थे।

विचार मंथन

कर्ज लेकर कथरी ओढ़कर घी पी रहे हैं नेता और अफसर

(लेखक-सनत जैन)

केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर लगातार कर्ज बढ़ता ही चला जा रहा है। अब इस कर्ज के दायरे में नगरीय संस्थाएं और ग्राम पंचायतों तक कर्ज का मकड़जाल बढ़ता ही जा रहा है। सरकार ने आम नागरिकों को भी कर्ज लेकर खर्च चलाने की आदत डाल दी है। जिसके कारण पिछले वर्षों में सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों के ऊपर भी कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार की कुल देनदारी सितंबर के अंत तक 147.19 लाख करोड रुपए पर पहुंच गई है. रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने दूसरी तिमाही के लिए प्रतिभूतियों के जरिए 406000 करोड रुपए की राशि जुटाई है। सरकार ने जो रिपोर्ट जारी की है उसके अनुसार जुलाई से सितंबर तिमाही के बीच में विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आई है। पिछले 5 साल में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के कर्ज में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं कंपनियों के ऊपर कर्ज कम हुआ है। इसका कारण मंदी को माना जा रहा है। पिछले 5 साल में भारत सरकार का कर्ज 69.5 फ़ीसदी से बढ़कर 82.4 फ़ीसदी पर पहुंच गया है 2017 में केंद्र सरकार के ऊपर कर्ज 146.12 लाख करोड़ था जो 2022 तक 211 लाख करोड़ रुपए हो गया है।2003 के बाद से भारत के नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। 2003 के पहले भारतीय नागरिकों के ऊपर कर्ज ना के बराबर था। 2003 के बाद से नागरिकों में कर्ज लेकर खर्च करने की जो नई प्रवृत्ति आई है। उसके बाद से लगातार पारिवारिक और व्यक्तिगत कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 5 साल में भारतीयों का कर्ज जीडीपी का 35.5 फ़ीसदी हो गया है। 2017 में भारतीय परिवारों पर 72.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था। जो 2022 में बढ़कर 90.92 लाख करोड़ रुपए हो गया है. पिछले 5 वर्षों में कर्ज लेकर टैक्स चुकाने और खर्च करने के कारण पारिवारिक और व्यक्तिगत ऋण में लगातार वृद्धि हो रही है। लोगों की अधिकांश कमाई बैंक की किस्त और ब्याज में जा रही है। पिछले 20 वर्षों में विकास के नाम पर जिस तरह से केंद्र सरकार राज्य सरकारें नगरीय निकायच यहां तक कि अब ग्राम पंचायतों के ऊपर भी कर्ज का बोझ डाला जा रहा है। विकास योजनाओं के नाम पर सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर कर्ज लिया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में जनता के ऊपर हर तरीके से टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। तरह तरह के शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की आय प्रतिवर्ष कई गुना बढ़ रही है। महंगाई और टैक्स का दायरा बढ़ने से टैक्स का कलेक्शन भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। उसके साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर कर्ज भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। यह धारणा बड़ी आम हो गई है कि कर्ज एवं सरकारी खजाने की रकम को राजनेता और अधिकारी मिलकर उड़ा रहे हैं। आम जनता को उसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकारी अधिकारी कर्मचारी और राजनेता बड़ी तेजी के साथ करोड़पति अरबपति और खरबपति बन रहे हैं। वहीं आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जिसके कारण अब आम जनता विकास योजनाओं से काफी परेशान हो गई है। वह विरोध में खड़ी होने लगी हैं। महंगाई एवं बेरोजगारी के कारण आम आदमी अपनी बैंक की किस्तें भी नहीं चुका पा रहा है। घरेलू विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। आमदनी कम होती जा रही है। खर्च बढ़ते ही जा रहे हैं। लाइट बिजली पानी नगर निगम टैक्स और सरकार के शुल्क की वसूली कठोरता के साथ हो रही है। जिसके कारण आम लोगों को अपना जीवन यापन करना बड़ा मुश्किल हो गया है। अब लोगों में असंतोष देखने को मिल रहा है। आम जनता यह नहीं समझ पा रहा है कि हर साल टैक्स राजस्व में वृद्धि हो रही है। उसके बाद भी हर साल केंद्र और राज्य सरकारें कर्ज लेकर और उसका ब्याज चुकाकर आम नागरिकों पर बोझ लगातार बढ़ाती ही जा रही हैं। टैक्स और शुल्क लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। टैक्स और शुल्क की वसूली करने के लिए आम आदमी के घर और दुकान कुर्क की जा रही हैं। इससे असंतोष हर जगह पर बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र राज्य सरकार और नगरीय संस्थाओं को समय रहते इस समस्या को समझना होगा। अन्यथा आम आदमी में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। बेबस लोग जो मुकाबला नहीं कर पाते हैं वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। अब पारिवारिक हत्या और आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। आगे चलकर वर्तमान स्थिति में कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घर में कितनी नगदी रख सकते हैं जानें नियम

नई दिल्ली । घर में कितना कैश रखना सही रहता है या फिर कानून के दायरे में आता है। इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को नहीं रहती है। नियमों के मुताबिक आप घर में जितना चाहे उतना कैश रख सकते हैं। इसको लेकर कोई भी सीमा सरकार की ओर से तय नहीं की गई है लेकिन शर्त यह है कि जो भी कैश आपके पास मौजूद हो वह कहां से आया है और उसका क्या सोर्स है। इसकी पूरी जानकारी आपके पास होनी चाहिए। अगर आपके पास बड़ी मात्रा में कैश मौजूद है तो फिर उस पर टैक्स का पूर्ण भुगतान होना चाहिए। इसके साथ आपके पास टैक्स भुगतान से जुड़े सभी दस्तावेज होने चाहिए जिससे कि इनकम टैक्स विभाग द्वारा कैश से जुड़ी कोई भी जानकारी मांगने पर आप आसानी से दे सकें। अगर इनकम टैक्स विभाग की ओर से आपके घर पर छापा मारा जाता है और बड़ी संख्या में कैश बरामद होता है। इसके साथ आप उस कैश के बारे में भी सही जानकारी नहीं दे पा रहे हैं तो फिर आपको भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना छापे में पकड़ी गई राशि का 137 प्रतिशत तक हो सकता है। बैंक में एक बार में 50000 रुपये से ज्यादा की निकासी या जमा करते समय आपको पैन कार्ड दिखना होगा। खरीदारी करते समय 2 लाख से अधिक का पेमेंट केस में नहीं कर सकते हैं। इसके लिए भी आपको पैन और आधार दिखाना होगा। एक साल में आप अपने बैंक खाते में 20 लाख रुपये से अधिक का कैश डिपॉजिट करते हैं तो फिर पैन और आधार बैंक में दिखाने होंगे।

गौतम अदाणी अगले पांच साल में करेंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली । देश प्रमुख कारोबो रियों में शामिल अरबपति गौतम अदाणी के समूह ने एक निश्चित निवेश प्रोफाइल हासिल करने के बाद 2025 और 2028 के बीच हाइड्रोजन हवाई अड्डों मेटल माइनिंग लॉजिस्टिक और डेटा सेंटर जैसे व्यवसायों के बंटवारे करने की योजना बनाई है। इस बात की जानकारी कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने दी है। बता दें कि स्पिन ऑफ मूल रूप से नई व्यापार ईकाई बनाने के लिए कंपनी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीति है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड जो फॉलो-ऑन शेयर बिक्री में 20000 करोड़ रुपए जुटाना चाह रही है समूह के लिए बिजनेस इनक्यूबेटर है। इन वर्षों में अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में अलग होने या अलग होने से पहले बंदरगाहों बिजली और शहर गैस जैसे व्यवसायों को पहले एईएल में शामिल किया गया था। कंपनी में वर्तमान में हाइड्रोजन जैसे नए व्यवसाय हैं जहां समूह अगले 10 वर्षों में मूल्य श्रृंखला में चार लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है जिनमें हवाईअड्डा संचालन खनन डेटा सेंटर सड़कें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि डीमर्जर के लिए विचार किए जाने से पहले व्यवसायों को बुनियादी निवेश प्रोफाइल और परिपक्वता हासिल करनी होगी।

अल्ट्राटेक सीमेंट का मुनाफा 38 फीसदी गिरकर 1062 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुनाफा 37.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1062.58 करोड़ रुपए पर आ गया। अल्ट्राटेक सीमेंट ने शेयर बाजारों को दी गई एक सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका मुनाफा 1710.14 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर 2022 की तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 19.53 प्रतिशत बढ़कर 15520.93 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की समान तिमाही में उसकी आय 12984.93 करोड़ रुपए रही थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का कुल व्यय भी 23.65 प्रतिशत बढ़कर 14123.56 करोड़ रुपए हो गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 11422.05 करोड़ रुपए था। कंपनी ने कहा कि आलोच्य अवधि में ईंधन लागत 33 प्रतिशत और कच्चे माल की लागत 13 प्रतिशत तक बढ़ जाने से उसकी परिचालन लागत बढ़ गई। इस वजह से उसके लाभ में गिरावट आई है। इस अवधि में सीमेंट कंपनी ने अपनी स्थापित उत्पादन क्षमता का 83 प्रतिशत इस्तेमाल किया जो साल भर पहले 75 प्रतिशत था।

वैश्विक रुख और कंपनियों के नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

- वैश्विक बाजार में किसी भी बड़े उतार-चढ़ाव का असर हमारे बाजारों पर भी पड़ सकता है

मुंबई । (एजेंसी)

महंगाई में गिरावट और विदेशी बाजारों के सकारात्मक रुझान से हुई लिवाली की वजह से बीते सप्ताह 0.59 प्रतिशत तक चढ़े घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस बार कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में मुख्य रूप से कंपनियों के तिमाही नतीजों वैश्विक रुझान और विदेशी कोषों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटाने की वजह से भी दलाल पथ पर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। गणतंत्र दिवस की वजह से यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला होगा। ऐसे में जनवरी माह के वायदा एवं विकल्प अनुबंधों का निपटान 25 जनवरी यानी बुधवार को होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुख में भी उतार-चढ़ाव है और इसमें किसी दिशा का अभाव है। हालांकि वैश्विक बाजार में किसी भी बड़े उतार-चढ़ाव का असर हमारे बाजारों पर भी पड़ सकता है। इस महीने के पहले पखवाड़े में आक्रामक बिकवाली के बाद पिछले कुछ दिनों में एफआईआई की बिकवाली कम हुई हैं। बाजार की दिशा के लिए संस्थागत प्रवाह महत्वपूर्ण रहेगा। तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन चल रहा है ऐसे में शेयर और क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इस सप्ताह के दौरान एक्सिस बैंक मारुति सुजुकी इंडिया बजाज ऑटो डीएलएफ टाटा मोटर्स बजाज फाइनेंस और वेदांता के कमाई के

आंकड़े आएंगे। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही के परिणामों और आगामी बजट को लेकर शेयर विशेष गतिविधियों के चलते बाजार के एक मजबूत सीमा में रहने की उम्मीद है। इसके अलावा निवेशकों की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों रुपए और ब्रेंट कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

कच्चे तेल की कीमत स्थिर कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में रविवार को कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्रेंट क्रूड 87.63 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 81.31 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में सरकारी तेल कंपनियो ने पेट्रोल-डीजल के दामों में संशोधन किया है। हरियाणा में पेट्रोल 29 पैसे सस्ता होकर 97.24 रुपए प्रति लीटर हो गया है। यहां डीजल अब 90.08 रुपए प्रति लिटर हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 21 पैसे और राजस्तान में 26 पैसे सस्ता हुआ है। इन दोनों राज्यों में पेट्रोल की ताजा कीमत क्रमशः 96.68 और 108.36 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पंजाब में डीजल 87.03 रुपए और राजस्थान में 93.61 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 42 पैसे महंगा होकर 107.26 रुपए प्रति लीटर में मिल रहा है। यहां डीजल की कीमत 93.90 रुपए हो गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी ईंधन की कीमत में हल्का इजाफा देखने को मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

पिछले साल गोल्ड ईटीएफ में निवेश 90 फीसदी घटकर 459 करोड़ रह गया

- 2021 में गोल्ड ईटीएफ में 4814 करोड़ और 2020 में 6657 करोड़ का निवेश आया था

नई दिल्ली । पीली धातु की कीमतों में बढ़ोतरी ब्याज दरें बढ़ने तथा मुद्रास्फीतिक दबाव की वजह से गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (ईटीएफ) में निवेश का प्रवाह पिछले 90 प्रतिशत घटकर 459 करोड़ रुपए रह गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। 2021 में गोल्ड ईटीएफ में 4814 करोड़ रुपए और 2020 में 6657 करोड़ रुपए का निवेश आया था। हालांकि गोल्ड ईटीएफ का संपत्ति आधार तथा निवेशक खातों या फोलियो की संख्या में 2022 में इससे पिछले साल की तुलना में वृद्धि हुई है। बाजार के जानकार कहते हैं कि सोने की बढ़ती कीमत शायद निवेशकों पर कुछ दबाव डालती है क्योंकि बहुत से लोग सुधार की उम्मीद में अपने निवेश को रोक कर रखते हैं। मुद्रास्फीतिक दबाव और ऊंची ब्याज दरों का ढांचा भी इस मामले में चुनौती बना हुआ है। घरेलू मोर्चे पर बात करें तो निवेशकों ने 2022 में अन्य संपत्ति वर्गों की तुलना में शेयरों में पैसा लगाना अधिक उचित समझा। 2022 में निवेशकों ने शेयरों में 1.6 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जो इससे पिछले साल के 96700 करोड़ रुपए के आंकड़े से कहीं अधिक है। इसके अलावा निवेशकों ने व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) में निवेश को प्राथमिकता दी। उन्होंने अन्य संपत्ति वर्ग से निवेश निकाला और शेयरों में लगाया। गोल्ड ईटीएफ में सकारात्मक प्रवाह से दिसंबर 2022 के ओ खिरी तक इसके प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 16 प्रतिशत बढ़कर 21455 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं जो एक साल पहले 18405 करोड़ रुपए के स्तर पर थीं। गोल्ड ईटीएफ में फोलियो की संख्या दिसंबर 2022 तक 14.29 लाख बढ़कर 46.28 लाख हो गईं जो दिसंबर 2021 तक 32.09 लाख थी।

एक स्तर हासिल करने के बाद हाइड्रोजन हवाई अड्डा व डाटा केंद्र जैसे कारोबारों को अलग करेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अरबपति कारोबारी गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडाणी समूह की योजना 2025 से 2028 के बीच निवेश का एक निश्चित स्तर हासिल करने के बाद हाइड्रोजन हवाई अड्डा और डाटा केंद्र जैसे कारोबारों को अलग करने की है। समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगशिंदर सिंह ने यह जानकारी दी। अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिए 20000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी कर रही अडानी एंटरप्राइजेज (एईएल) समूह के लिए कारोबार 'इनक्यूबेटर' है।

हाल के सालों में बंदरगाह बिजली और शहर गैस जैसे कारोबार को एईएल में शामिल किया गया है। बाद में इन्हें सूचीबद्ध इकाई के रूप में अलग कर दिया गया। एईएल के पास वर्तमान में हाइड्रोजन जैसा नया कारोबार है। समूह की योजना अगले 10 साल में इसकी मूल्य श्रृंखला तेजी से बढ़ते हवाई अड्डा क्षेत्र परिचालन खनन डाटा केंद्र सड़क और लॉजिस्टिक्स में 50 अरब डॉलर का निवेश करने की है। सिंह ने बताया अलग करने से पहले इन कारोबार क्षेत्रों को बुनियादी निवेश स्तर और परिपक्वता हासिल करनी होगी। समूह हाइड्रोजन के सबसे कम लागत वाले उत्पादकों में से एक बनना चाहता है। हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जा रहा है जिसमें कॉर्बन उत्सर्जन शून्य होता है। इसके अलावा समूह हवाई अड्डा क्षेत्र पर भी बड़ा दांव लगा रहा है। आने वाले वर्षों में समूह का इरादा सरकारी सेवाओं से बाहर देश में सबसे बड़ा सेवा आधार बनाने का है।

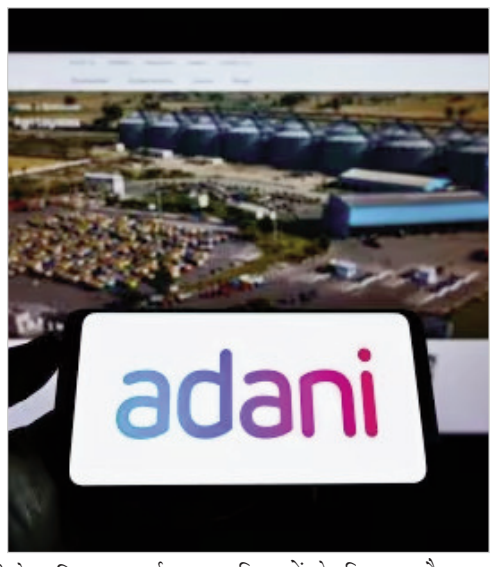

गौतम अडाणी (60) ने एक व्यापारी के रूप में शुरुआत की थी। उन्होंने बड़ी तेजी से बंदरगाह और कोयला खनन पर केंद्रित अपने साम्राज्य का विस्तार किया और आज वह हवाई अड्डा डाटा केंद्र और सीमेंट के साथ-साथ हरित ऊर्जा क्षेत्र में भी उतर चुके हैं। अडाणी अब एक मीडिया कंपनी के मालिक भी हैं। सिंह ने कहा अनुवर्ती शेयर बिक्री का उद्देश्य अधिक खुदरा उच्च नेटवर्थ और संस्थागत निवेशकों को लाकर शेयरधारक आधार को व्यापक करना है।

एईएल एफपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल हाइड्रोजन परियोजनाओं के वित्तपोषण हवाई अड्डा सुविधाओं के विस्तार और नए एक्सप्रेसवे के निर्माण पर करेगी। इससे वह अपने कर्ज के बोझ को भी कुछ कम कर सकेगी। कंपनी का एफपीओ 27 जनवरी को खुलकर 31 जनवरी को बंद होगा। कंपनी एफपीओ के तहत शेयरों की बिक्री 3112 से 3276 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में करेगी।

आयातित तेल सस्ता रहने से देशी तेल-तिलहनों की कीमतें टूटीं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश में आयातित तेल सस्तार रहने की वजह से दिल्ली के तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को लगभग सभी तेल तिलहन कीमतों में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि अगर सस्ते आयातित तेल के भाव इस प्रकार रहे तो देश के सोयाबीन और आगामी सरसों की फसल किसी भी सूरत में खप नहीं पाएगी और यह तेल तिलहन मामले में आत्मनिर्भरता के सपने पर चोट होगी। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 6520-6570 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली 6530-6590 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15500 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2445-2710 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 13000 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 2075-2105 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2035-2160 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18900-21000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 12900 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 12700 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम कांडला- 11100 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 8330 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 11400 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी

दिल्ली- 9900 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स कांडला- 8940 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना 5500-5580 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज 5240-5260 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4010 रुपए प्रति क्विंटल।

छंटनी से भड़का अल्फाबेट वर्कर यूनियन कहा- ये फैसला मंजूर नहीं

नई दिल्ली । गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट अल्फाबेट में छंटनी को लेकर कर्मचारी यूनियन भड़क गया है। वर्कर्स यूनियन का कहना है कि मुनाफा कमाने के बाद भी कंपनी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है। 20 जनवरी को कंपनी ने कहा कि वह 12000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है। छंटनी में कर्मचारियों की इस संख्या से दुनियाभर में गूगल की 6 फीसदी वर्क फोर्स कम हो जाएगी। सीईओ सुंदर पिचई ने कर्मचो रियों को भेजे ईमेल में कहा कि वह छंटनी के फैसले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन ने नौकरी में कटौती को कंपनी का अस्वीकार्य व्यवहार करार दिया। इनका कहना है कि पिछले साल कंपनी ने अकेले 17 बिलियन डॉलर मुनाफा कमाया था। 1100 से ज्यादा सदस्यों के अनौपचारिक ट्रेड यूनियन ने यह भी कहा कि अल्फाबेट के सबकॉन्ट्रेक्टर्स का बड़ा वर्कफोर्स इस बात का प्रमाण है कि लोग सुरक्षित रोजगार के लिए कंपनी पर भरोसा नहीं कर सकते। इससे पहले गूगल सुंदर पिचई ने कहा कि कंपनी छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों की हर संभव मदद करेगी। कंपनी अमेरिका में अपने कर्मचो रियों को पूरे नोटिफिकेशन पीरियड (न्यूनतम 60 दिन) का भुगतान करेगी। इसके अलावा गूगल 16 हफ्ते के वेतन के साथ ही गूगल में बिताए हर साल पर दो हफ्ते का वेतन और कम से कम 16 हफ्तों का जीएसवी (गूगल स्टॉक यूनिट) समेत सेवरेंस पैकेज भी देगा.

एफपीआई ने इस महीने अब तक शेयर बाजार से 15236 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

चीन के बाजारों का आकर्षण बढ़ने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने की चिंता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक शेयर बाजारों से 15236 करोड़ रुपए की निकासी की है। हालांकि छले चार कारोबारी सत्रों में एफपीआई लिवाल रहे हैं। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने शेयर बाजारों में 11119 करोड़ रुपए और नवंबर में 36239 करोड़ रुपए डाले थे। कुल मिलाकर एफपीआई ने 2022 में भारतीय शेयर बाजारों से 1.21 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इसकी प्रमुख वजह वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में वृद्धि विशेष रूप से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच जिंसों के ऊंचे दाम हैं। एफपीआई के निवेश के लिहाज से 2022 सबसे खराब साल रहा है। 2022 में उन्होंने शेयरों से जमकर निकासी की जबकि इससे पिछले तीन साल के दौरान उन्होंने शेयरों में शुद्ध निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 20 जनवरी तक 15236 करोड़ रुपए की निकासी की है। एफपीआई की बिकवाली की प्रमुख वजह लॉकडाउन के बाद चीन के बाजारों का आक्रामक तरीके से फिर से खुलना है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि शून्य कोविड नीति के चलते चीन ने सख्त लॉकडाउन लागू किया। इससे चीन के बाजार नीचे आ गए। ऐसे में मूल्य के

दृष्टिकोण से वहां निवेश करना अधिक आकर्षक हो गया है। उन्होंने कहा कि इस वजह से एफपीआई भारत जैसे ऊंचे मूल्यांकन वाले बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 343 परियोजनाओं की लागत 4.5 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 343 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की दिसंबर 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1438 परियोजनाओं में से 343 की लागत बढ़ गई है जबकि 835 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1438 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 2035794.75 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 2486069.52 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 450274.77 करोड़ रुपए बढ़ गई है। दिसंबर 2022 तक इन परियोजनाओं पर 1345794.16 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं जो कुल अनुमानित लागत का 54.13 प्रतिशत हैं। हालांकि मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 673 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 342 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 835 परियोजनाओं में से 160 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने 134 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की 411 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 130 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 835 परियोजनाओं में हो रहे विलंब का औसत 40.5 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब परियोजना की संभावनाओं में बदलाव निविदा प्रक्रिया में देरी ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी कानूनी व अन्य दिक्कतें अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में देरी हुई विलंब हुआ है।

रेडमी नोट 12 सीरीज में एक और 4जी फोन

- सामने आए फोन के स्पेसिफिकेशंस

नई दिल्ली । (एजेंसी)

चाइनीज कंपनी रेडमी जल्द ही रेडमी नोट 12 सीरीज में एक और 4जी फोन लेकर आ सकती है।जानकारी के मुताबिक रेडमी कथित तौर पर भारत में रेडमी नोट 12 प्रो 4जी नामक एक नया 4जी स्मार्टफोन लॉन्च करने की योजना बना रही है.शाओमी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रेडमी नोट 12 4जी आईएमईआई डेटाबेस पर देखा गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रेडमी नोट 12 4जी जल्द ही भारत में लॉन्च हो सकता है।इससे पहले पिछले महीने आई एक रिपोर्ट में कहा गया था किरेडमी नोट 12 प्रो 4जी को एनबीटीसी सर्टिफिकेशन मिला है।आईएमईआई डेटाबेस पर एक फोन के तीन वेरिएंट दिखे गए हैं लेकिन उनमें से केवल दो ही रेडमी नोट 12 4जी के हो सकते हैं।ये क्रमशः 23021आरएएईजी और 23028 आरए60एल अंतरराष्ट्रीय और भारतीय बाजारों के लिए हैं।ये दोनों फोन एनएफसी को सपोर्ट नहीं करते हैं।बता दें कि रेडमी नोट 12 4जी के इंडियन वेरिएंट का कोडनेम 'तपस' है।यह फोन 4जीबी और 8जीबी रैम ऑप्शन और 64जीबी और 128जीबी इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन के साथ आ सकता है।

रेडमी नोट 12 4जी एंड्राएड 13- बेस्ड एमआईयूआई 14 पर आधारित होने की संभावना है।रेडमी नोट 12 4जी के बाकी स्पेसिफिकेशन स्पष्ट नहीं हैं।चलिए आपको रेडमी नोट 12 5जी के स्पेसिफिकेशंस के बारे में बताते हैं जिसे इस साल की शुरुआत में भारत में लॉन्च किया गया था।फोन 6.67-इंच फुल-एचडी +अमोलेड डिस्प्ले के साथ आता है जिसके रिफ्रेश रेट 120एचझेड और टच सैंपलिंग रेट 240एचझेड है।फोन में पीछे की तरफ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है जिसमें 48-मेगापिक्सल सेंसर 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड सेंसर और 2-मेगापिक्सल का मैक्रो सेंसर शामिल है।फोन को पावर देने के लिए इसमें ऑक्टा-कोर क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 4 जेन 1 प्रोसेसर दिया गया है। साथ ही डिवाइस में 5000एमएएच की बैटरी दी गई है जो फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। मालूम हो कि रेडमी इस महीने की शुरूआत में अपनी रेडमी नोट 12 सीरीज भारत में लेकर आई थी।इस सीरीज में कंपनी ने तीन फोन पेश किए थे।इसमें रेडमी नोट 12 रेडमी नोट 12 प्रो और रेडमी नोट 12 प्रो+ शामिल थे।

बजाज की क्यूट को जल्द लॉन्च करने की चर्चा

- मोटरसाइकिल की कीमत में आ जाएगी कार

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज की क्यूट को प्राइवेट कार के तौर पर जल्द ही लॉन्च किए जाने की चर्चा जोरो पर है। बताय जा रहा है कि इसे एनसीएटी से अप्रूवल भी मिल चुका है। ये एक फोर सीटर कार होगी और बताया जा रहा है कि इसकी कीमत रकीब 2.80 लाख से 3 लाख रुपये के बीच होगी। ये एक ऐसा व्हीकल होता है जिसे थ्री और फोर व्हीलर के बीच की कैटेगरी में रखा जाता है। इसमें कारों के सभी नियम फॉलो नहीं होते हालांकि कार के तौर पर लॉन्च करने पर इसमें वही सब नियम फॉलो करने होंगे जो कारों के लिए बने हैं। इसमें रूफ दी जाती है जिसके चलते ये बिल्कुल कार की तरह ही बिहेव करती है।अब क्यूट को कंपनी ने कुछ बदला है। इसे नॉन ट्रांसपोर्ट व्हीकल कैटेगरी में अप्रूवल मिलने के बाद इसके वजन को 17 किलो तक बढ़ाया गया है। इसमें 12 बीएचपी की पावर देने वाला 216 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन लगाया जाएगा। कार की टॉप स्पीड 70 से 80 किमी प्रति घंटे की होगी। इससे पहले कमिर्शियल व्हीकल के तौर पर आने वाली क्यूट में सीएनजी वेरिएंट भी था। अब माना जा रहा है कि निजी कार के तौर पर इसमें पेट्रोल के साथ ही सीएनजी और एलपीजी वेरिएंट भी दिया जाएगा।क्यूट में ड्राइवर के साथ 4 लोगों के बैठने की जगह होगी। इसमें इंजन नैनो की तरह ही रियर में होगा और बूट स्पेस आग होगा। साथ ही एसी एयरबैग डिस्कब्रेक और पावर स्टीयरिंग जैसे फीचर्स भी इस कार के साथ आपको मिल सकते हैं। इसमें स्लाइडिंग विंडो और मैनुअल विंडो ही मिलेंगी। कार में 6 स्पीड मैनुअल गियर बॉक्स होगा जिसमें 5 स्पीड सीक्रेंशियल फ्रंट और एक रियर गियर होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉकी विश्वकप में इस बार बन सकता है सबसे अधिक गोल का रिकार्ड

भुवनेश्वर । यहां खेले जा रहे एफआईएच पुरुष विश्वकप हॉकी टूर्नामेंट में इस बार अब तक सबसे ज्यादा गोल हुए हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो 24 पूल मैचों में 130 गोल हुए हैं। यही सिलसिला अगर चलता रहा तो विश्वकप में सबसे अधिक गोल का नया विश्व रिकार्ड बन जाएगा। इससे पहले साल 2010 में नई दिल्ली में हुए विश्व कप में 12 टीमों ने भाग लिया था। तब 38 मैचों में 199 गोल हुए थे। वहीं इस विश्वकप में अभी 20 मैच और होने हैं और अगर गोल इसी तरीके से होते रहे तो इस बार सबसे ज्यादा गोल का रिकार्ड बन जाएगा। अभी तक इस चरण में हुए 130 गोल में से 80 गोल मैदानी हैं जबकि 43 पेनल्टी कॉर्नर पर हुए हैं। वहीं सात गोल पेनल्टी स्ट्रोक्स से हुए हैं। पूल सी में शीर्ष पर रहकर सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली डच टीम नीदरलैंड ने अभी तक सबसे ज्यादा 22 गोल दागे हैं। यह तीन पूल मैच में हुए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा पेनल्टी कॉर्नर से सात गोल जबकि फ्रांस ने पेनल्टी स्ट्रोक से सबसे ज्यादा दो गोल किये हैं। विश्व कप में यह तीसरी बार है जब 16 टीमों ने इस टूर्नामेंट में शामिल हैं। इससे पहले साल 2002 और साल 2018 में इतनी टीमें शामिल हुई थीं। वहीं जर्मनी में साल 2002 में 72 मैचों में 300 गोल हुए थे।

कुनलावुत वितिदसर्न, एन से यंग ने पहली बार जीता इंडिया ओपन का खिताब

नई दिल्ली,

थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न और दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने अपने अधिक ख्यातिनाम विरोधियों को हराकर योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2023 का क्रमशः पुरुष एवं महिला खिताब जीत लिया। यह एचएसबीसी-बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हाल में 17 से 22 जनवरी तक आयोजित किया गया। रविवार से पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ सभी छह पुरुष एकल मैच हारने वाले वितिदसर्न ने इस निर्णायक मुकाबले में लंबे कद के डेन को लंबी रैलियों में उलझाकर एक घंटे चार मिनट के भीतर 22-20, 10-21, 21-12 से हरा दिया। महिला एकल फाइनल में कोरिया की यंग ने जापान की अकाने यामागुची को सिर्फ एक घंटे में 15-21, 21-16, 21-12 से मात दी।थाई शटलर एक्सेलसेन के खिलाफ फाइनल में अंडरडॉग की तरह खेले। विक्टर इससे पहले आखिरी बार मई 2021 में फाइनल में हारे थे। उसके बाद से वह 13 बार अविजित रहे। वितिदसर्न ने हालांकि उन्हें रैलियों में उलझाकर रखा और इस कारण मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन एक्सेलसेन रैलियों की गति को नियंत्रित करने के अपने गेम प्लान पर टिके रहने के कारण थोड़ा नर्वस दिखे। अपने गेम प्लान ने वितिदसर्न को पहले गेम में 16-13 की बढ़त बनाने की आजादी दी। एक्सेलसन ने हालांकि बढ़त लेने के लिए पांच सीधे अंक हासिल किए और जल्द ही एक गेम प्वाइंट अर्जित किया। लेकिन एक भाग्यशाली नेट कॉर्ड ने पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन को बराबरी पर ला दिया और फिर उन्होंने लगातार दो अंक हासिल कर डेन के खिलाफ 13 मैच के बाद अपना पहला गेम जीता।दूसरे गेम में एक्सलसन ने दहाड़ते हुए वापसी की। लेकिन वितिदसर्न खुद को फिर से संगठित करने और लंबी रैलियों में अपने प्रतिद्वंद्वी को उलझाने में कामयाब रहे। शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी स्पष्ट रूप से मैच के अंतिम पलों में अपने प्रतिद्वंद्वी से अधिक थका हुए दिख रहे थे। थकान ने ही विक्टर को गलती करने पर मजबूर किया और इस तरह थाई खिलाड़ी ने अपना पहला सुपर 750 का ताज हासिल कर लिया। वितिदसर्न ने कहा, विक्टर के खिलाफ मेरी पिछली हार से मैंने सीखा था कि अगर मैं उन्हें लंबी रैलियों में उलझा सकता हूं और मैच को निर्णायक अंत तक ले जा सकता हूं। मेरी समझ में आया था कि मेरे पास ऐसा करके ही जीतने का मौका होगा। मैं आज ऐसा करने में कामयाब रहा और दूसरा गेम हारने के बाद भी मुझे विश्वास था कि मैं जीत सकता हूं।

आईसीसी अवार्डस 2022 के विजेताओं की घोषणा सोमवार से की जाएगी

नई दिल्ली,

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को आईसीसी अवार्डस 2022 के विजेताओं की घोषणा करने के कार्यक्रम का अनावरण किया, जो सोमवार, 23 जनवरी से शुरू हो रहा है। पिछले महीने 13 व्यक्तिगत पुरस्कारों की घोषणा के बाद, आईसीसी वोटिंग अकादमी और सैकड़ों वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों ने एक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों की पहचान करने के लिए अपने वोट दिए, जिसमें आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप, आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी शामिल है। व्यक्तिगत पुरस्कार-विजेताओं की घोषणा से पहले, आईसीसी मेन्स क्रिकेटर आफ द ईयर के लिए प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी और आईसीसी महिला क्रिकेटर आफ द ईयर के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी सहित, आईसीसी वर्ष की पांच टीमों को निर्धारित करेगा। सोमवार को आईसीसी पुरुष और महिला टी20 टीमों की घोषणा की जाएगी। अगले दिन 24 जनवरी को आईसीसी पुरुष और महिला वनडे टीम आफ द ईयर और आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम आफ द ईयर को नामित किया जाएगा।इसके बाद 25 जनवरी से 13 व्यक्तिगत पुरस्कार श्रेणियों पर ध्यान दिया जाएगा, जब आईसीसी पुरुषों और महिलाओं दोनों में एसोसिएट, टी20 और इमर्जिंग क्रिकेटर आफ द ईयर श्रेणियों के विजेताओं की पुष्टि करेगी। 26 जनवरी को घोषणाओं के अंतिम दिन, आईसीसी द्वारा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर को मान्यता दी जाएगी। इसके बाद पुरुष और महिला वनडे क्रिकेटर आफ द ईयर पुरस्कार और पुरुष टेस्ट क्रिकेटर आफ द ईयर पुरस्कार दिए जाएंगे। उस दिन बाद में, आईसीसी वर्ष की महिला क्रिकेटर के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के विजेता का नाम घोषित करेगा, जिसके बाद आईसीसी पुरुष क्रिकेटर आफ द ईयर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी दी जाएगी। आईसीसी अवार्डस 2022 की घोषणाएं आईसीसी स्पिरिट आफ क्रिकेट अवार्ड के विजेता के साथ समाप्त होंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कोको गॉफ को हराकर जेलेना ओस्तापेंको क्वार्टरफाइनल में

मेलबर्न,

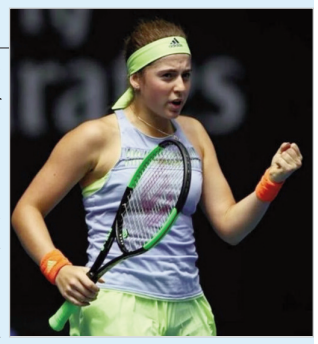

17वीं सीड जेलेना ओस्तापेंको ने सातवीं सीड अमेरिका की कोको गॉफ पर रविवार को 7-5, 6-3 की सनसनीखेज जीत दर्ज करते हुए वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में खेल रही ओस्तापेंको ने मार्गरेट कोर्ट एरेना में 93 मिनट में यह मुकाबला जीतकर गॉफ के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 1-1 कर लिया है। ओस्तापेंको 2018 के बाद से पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। लातवियाई खिलाड़ी का सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मौजूदा विम्बलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना से मुकाबला होगा जो चौथे दौर में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की ईगा स्वीयाटेक को डेढ़ घंटे में 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। ओस्तापेंको का रिबाकिना के खिलाफ 2-0 का करियर रिकॉर्ड है। लातवियाई खिलाड़ी का सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मौजूदा विम्बलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना से मुकाबला होगा जो चौथे दौर में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की ईगा स्वीयाटेक को डेढ़ घंटे में 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं।

त्रिकोणीय श्रृंखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का वेस्टइंडीज से मुकाबला आज

ईस्ट लंदन ।

महिला महिला क्रिकेट टीम यहां सोमवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया था जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा है। पहले मैच में भारतीय टीम कप्तान हरमनप्रीत कौर और कुछ अन्य अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरी थी ऐसे में उसकी जीत और भी अहम हो गयी है। हरमनप्रीत और अन्य अनुभवी खिलाड़ियों का दूसरे मैच में खेलना अभी तय नहीं है। इनके खेलने का फैसला फिटनेस के आधार पर होगा। पहले मैच में हरमनप्रीत के अलावा शिखा पांडे रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर भी शामिल नहीं थी। टीम की कप्तानी स्मृति मंधाना ने की थी जबकि अपनी पहले ही मैच में खेलते हुए अमनजोत कौर ने शानदार बल्लेबाजी की थी। इस दूसरे मैच में भी अमनजोत के प्रदर्शन पर सबकी निगाहें रहेंगी। भारतीय टीम इस मैच में भी जीत के साथ ही टूर्नामेंट में अपनी पकड़ और बेहतर करना चाहेगी। अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा इस दूसरे मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। दीप्ति ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 23 गेंदों पर 33 रन बनाने के अलावा 30 रन देकर तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। यह श्रृंखला अगले माह दक्षिण अफ्रीका में होने

वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। ऐसे में विरोधी टीम वेस्टइंडीज भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी हालांकि इसके लिए उसे खेल के सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है : हरमनप्रीत कौर (कप्तान) स्मृति मंधाना जेमिमा रोड्रिग्स देविका वैद्य सबिनेनी मेघना हरलीन देओल दीप्ति शर्मा पूजा वस्त्राकर शिखा पांडे यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) सुषमा वर्मा राजेश्वरी गायकवाड़ राधा यादव रेणुका सिंह ठाकुर मेघना सिंह अंजलि सरवानी स्नेह राणा अमनजोत कौर।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर हुई सानिया और अन्ना

मेलबर्न । भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनकी जोड़ीदार कजाखस्तान की अन्ना डानिलिना ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सानिया और डानिलिना की प्राप्त जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की जोड़ी ने दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मैच में 4-6 6-4 2-6 से हराया। सानिया ने पहले ही कहा था कि वह ऑस्ट्रेलयाई ओपन उनका आखिरी ग्रैंडस्लैम होगा क्योंकि इसके बाद खेल को अलविदा कह देंगी। ऐसे में इस टूर्नामेंट में हार के साथ ही महिला युगल में उनका करियर का भी समापन हो गया। सानिया मिश्रित युगल में रोहन बोपन्ना के साथ यहां उतरी हैं। इस भारतीय जोड़ी ने शुरुआती दौर में जैमी फोरलिस और ल्यूक सैविल को 7-5 6-3 से हराया था। वहीं एक अन्य पुरुष युगल मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी और जीवन नेदुनचेझियन की भारतीय जोड़ी को दूसरे दौर में फ्रांस के जेरेमी चार्डी और फैब्रिस मार्टिन के हाथों हाथ का सामना करना पड़ा। बालाजी और जीवन की जोड़ी 4-6 4-6 से हारी। इसी के साथ ही पुरुष युगल में भारत की उम्मीदें भी समाप्त हो गयीं।

अपनी ही बायोपिक से अलग हुए शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। अख्तर विवाद के बाद अपने जीवन पर बन रही फिल्म रावलपिंडी एक्सप्रेस के निर्माताओं से अलग हो गये हैं। अख्तर ने अपने पशंसकों से कहा है कि अब यह फिल्म नहीं बनेगी। इससे पहले जुलाई 2022 में इस क्रिकेटर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर साझा किया था और कहा था कि फिल्म नवंबर 2023 में रिलीज होगी पर अनुबंध पर कुछ मतभेद के बाद शोएब ने फिल्म निर्माताओं के साथ अब नाता तोड़ लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी धमकी दी है। अख्तर ने एक बयान में कहा बहुत दुख के साथ मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि सावधानीपूर्वक विचार के बाद मैंने अपने प्रबंधन और कानूनी टीम के माध्यम से समझौते को समाप्त करके फिल्म रावलपिंडी एक्सप्रेस और इसके निर्माताओं से अपने को अलग कर लिया है। उन्होंने साथ ही कहा यह एक ड्रीम प्रोजेक्ट था और मैंने बने रहने के लिए बहुत कोशिश की पर दुर्भाग्य से चीजें ठीक नहीं चल रही थीं। इससे मुझे मजबूरन करार तोड़ना पड़ा। ऐसे में मैंने अपने जीवन की कहानी के अधिकारों को रद्द करने के सभी कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद इस परियोजना को छोड़ दिया है। उन्होंने निर्माताओं को चेतावनी देते हुए आगे कहा कि यदि वे उनकी जीवनी पर फिल्म बनाना जारी रखते हैं या उनके नाम का उपयोग करते हैं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः जेसिका पेगुला लगातार तीसरे साल क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं

मेलबर्न,

ड्रा में सर्वोच्च रैंक की खिलाड़ी और विश्व नंबर-3 जेसिका पेगुला आस्ट्रेलियन ओपन के अंतिम आठ में पहुंच गयीं हैं। उन्होंने रविवार को जॉन कैन एरिना में मैच में चेक गणराज्य की नंबर 20 वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-5, 6-2 से हरा दिया। पिछले साल के आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनलिस्ट के बीच एक बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पेगुला ने 2021 की रोलां गैरो चैंपियन क्रेजिकोवा पर 1 घंटे 41 मिनट के खेल के बाद जीत हासिल की। पेगुला ने कहा, मुझे लगता है कि कोर्ट अन्य कोटरें की तुलना में थोड़ा तेज दिखाई दे रहा था, जो मुझे लगता है कि इससे मुझे बहुत मदद मिली। मैंने विरोधी को ज्यादा समय देने की कोशिश नहीं की, जहां वह वास्तव में अच्छी तरह से खेल दिखा सकती थीं, क्योंकि उनकी कोर्ट समझ वास्तव में अच्छी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा कि यह वास्तव में उच्च स्तर का मुकाबला था, विशेष रूप से पहला सेट। पहले सेट में जीत हासिल करने की कोशिश में थोड़ा मुश्किल हो गया। यह कठिन है जब आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ खेलते हैं जिसके पास बहुत अनुभव है, तो काफी दबाव होता। मुझे खुशी है कि मैं जीतने में सक्षम रहीं। पेगुला लगातार तीसरे साल मेलबर्न में क्वार्टरफाइनल में है। उन्हें 2021 में एक गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में यहां ग्रैंड स्लैम सफलता मिली थी।उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा कि यह वास्तव में उच्च स्तर का मुकाबला था, विशेष रूप से पहला सेट। पहले सेट में जीत हासिल करने की कोशिश में थोड़ा मुश्किल हो गया। यह कठिन है जब आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ खेलते हैं जिसके पास बहुत अनुभव है, तो काफी दबाव होता। मुझे खुशी है कि मैं जीतने में सक्षम रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचे कोर्डा

मेलबर्न,

सेबेस्टियन कोर्डा ने रविवार को अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की, जब उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए पांच सेटों में 10वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्काज को हराया।29वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में 3-6, 6-3, 6-2, 1-6, 7-6(10-7) जीत के साथ अंतिम आठ में पहुंचे है। वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए करेन खाचानोव के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, यह मैच मुश्किल था लेकिन मैंने जिस तरह से वापसी की, वह शानदार था। उससे मैं बहुत खुश हूं। मुझे टावल का सहारा था, क्योंकि एक अंधविश्वास की तरह जब भी मैं टावल के पास जाता, तो मुझे पॉइंट मिलते। अमेरिकी ने तीसरे राउंड में उलटफेर किया जब उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन के फाइनलिस्ट डेनियल मेदवेदेव को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। एंडी रॉडिक के आखिरी बार 2010 में उपलब्धि हासिल करने के बाद कोर्डा सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ तीसरे अमेरिकी हैं। टेनिस सैंडग्रेन (दो बार) और फ्रांसेस तियाफो भी इसके बाद से अंतिम आठ में पहुंच चुके हैं। अमेरिकी ने तीसरे राउंड में उलटफेर किया जब उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन के फाइनलिस्ट डेनियल मेदवेदेव को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई की गतिविधियों को निलंबित किया

नई दिल्ली । केंद्रीय खेल मंत्रालय ने अपने एक आदेश के साथ ही भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की फिलहाल सभी गतिविधियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही कहा कि जब तक कि निगरानी समिति कुश्ती महासंघ के नियमित कामकाज को अपने हाथ में नहीं ले लेता है तब तक यह निलंबन जारी रहेगा। खेल मंत्रालय ने यह कार्रवाई डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के यौन उत्पीड़न उन्हें धमकाने और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने के बाद की हैं। मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा भारतीय कुश्ती महासंघ से कहा गया है कि एथलीटों द्वारा लगाए गए विभिन्न आरोपों की जांच के लिए एक निगरानी समिति नियुक्त करने के सरकार के फैसले को देखते हुए डब्ल्यूएफआई सभी गतिविधियों को अभी बंद रखे। इसी के तहत ही खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को उत्तर प्रदेश के गोंडा में जारी रैंकिंग टूर्नामेंट को भी तत्काल रद्द करने को कहा था। साथ ही ही कहा था कि प्रतिभागियों से लिए गए प्रवेश शुल्क को भी वापस किया जाये। वहीं खेल मंत्रालय ने इससे पहले धरना दे रहे पहलवानों के साथ एक बैठक की थी जिसके बाद पहलवानों ने धरना समाप्त कर दिया था।

खेल मंत्रालय ने पहली मिशन ओलंपिक सेल की बैठक आयोजित की

भुवनेश्वर,

युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) ने दिल्ली के बाहर और यहां चल रहे एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के मौके पर मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की पहली बैठक आयोजित की।इस बैठक में एमओसी के सदस्य भारत के ओलंपिक कार्यक्रम के प्रमुख एजेंडा बिंदुओं और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के एथलीटों के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए एकजुट हुए, जो यहां 19 और 20 जनवरी को आयोजित किया गया था और सदस्यों को भारतीय हॉकी भी देखने को मिली। टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच वेल्स टीम के खिलाफ खेल रही थी।खिलाड़ियों को सीधे देखने के अनुभव के बारे में बात करते हुए, भारत की पूर्व लॉन्ग जम्पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा, इस अवसर (विश्व कप मैच देखने के लिए) के साथ हमें उन्हें एक प्रतियोगिता के दौरान प्रदर्शन करते देखने का अच्छा मौका मिला और हम उनका सही आकलन कर सकते हैं। अगली बैठक के दौरान उस पर विचार कर सकते हैं और अंतर को भरने के लिए बेहतर तरीके से उनका मूल्यांकन कर सकते हैं। तो हमारे लिए, यह एक महान अवसर था। मैं और भी कई मैच देखना चाहूंगी, न केवल हॉकी में बल्कि अन्य खेलों में भी अच्छा जब भी हमें मौका मिले। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें ही ऐसी टीमें हैं जिन्हें एमवाईएएस की टॉप्स योजना के तहत वित्त पोषित किया जाता है और सालाना लाखों रुपये का खर्च आता है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रशिक्षण और

प्रतियोगिताओं के लिए वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) योजना के तहत 24 करोड़ खर्च होते हैं। खिलाड़ियों, विशेषकर हॉकी टीम के लिए टॉप्स के महत्व के बारे में बात करते हुए, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान वीरेन रसकिन्हा ने कहा, एमओसी और टॉप्स पिछले कुछ वर्षों में सभी भारतीय एथलीटों और हॉकी टीमों को इतना समर्थन दे रहे हैं और हमें यह देखने को मिला है उनके प्रदर्शन में, विशेष रूप से पुरुषों की हॉकी टीम में, पहले 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतकर और अब विश्व कप में पदक जीतने की कोशिश हो रही है। इसलिए हमें उनका समर्थन करते रहना होगा।

ऑस्ट्रिया में एफआईएस अल्पाइन स्की विश्वकप में जीत के बाद जश्न मनाते हुए नार्वे के एलेकेसेंडर एमोडिट और उनकी टीम।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

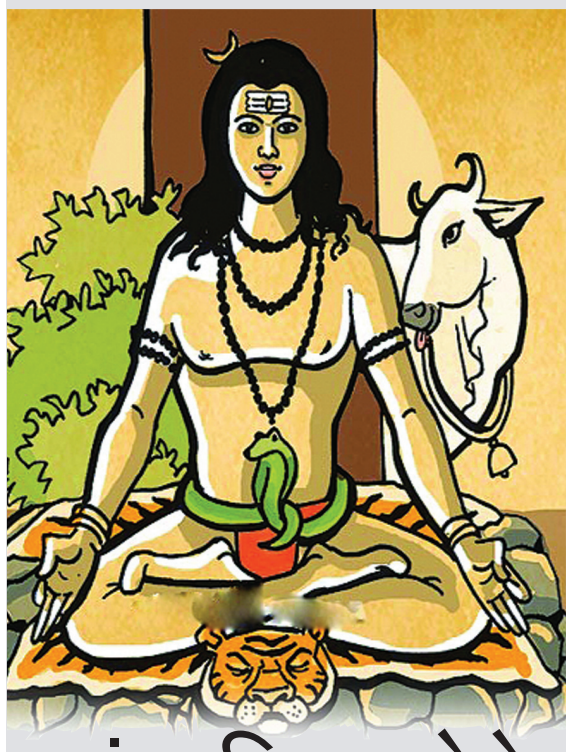

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो। साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्त्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीर्ष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

अफगानिस्तान में महसूस किए गए 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके कोई हताहत नहीं

काबुल । अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रेक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 थी। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। यह भूकंप अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 9 :04 बजे आया। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 79 किमी दूर 120 किमी की गहराई में था। इससे पहले 5 जनवरी को इसी इलाके में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप का केंद्र 200 किमी गहराई में था। इस भूकंप के झटके दिल्ली में भी महसूस किए गए थे। इससे पहले साल 2022 में अफगानिस्तान में एक बड़ा भूकंप आया था। इस भूकंप के कारण लगभग 1150 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें 155 बच्चे भी शामिल थे। लगभग 6000 लोग घायल हुए थे। भूकंप के कारण लगभग 360000 लोग प्रभावित हुए थे। ये भूकंप 2002 के बाद आया सबसे बड़ा भूकंप था जिसमें 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। ज्यादातर लोगों की मौत घरों के गिरने और उसके नीचे दबने से हुई।

सीरिया के अलेप्पो शहर में इमारत गिरने से 10 लोगों की मौत

बेरूत। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में रविवार तड़के पांच मंजिला एक इमारत के ढह जाने से एक बच्चे समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, यह हादसा अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस के नियंत्रण वाले शेख मकसूद क्षेत्र में हुआ। हादसे के समय इमारत में 30 लोग मौजूद थे। खबरों में कहा गया है कि पानी के रिसाव के कारण इमारत की संरचना कमजोर हो गई थी। घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों की तलाश करते नजर आए। समाचार एजेंसी हवार न्यूज ने इस हादसे में सात लोगों से मारे जाने और तीन लोगों के घायल होने की खबर दी है। एजेंसी के मुताबिक दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सीरिया के 11 साल के संघर्ष के दौरान अलेप्पो में अनेक इमारतें नष्ट हो गई हैं। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। हालांकि राष्ट्रपति बशर असद के नेतृत्व वाली सीरिया सरकार ने अलेप्पो शहर को सशस्त्र विपक्षी समूहों के कब्जे से वापस अपने नियंत्रण में ले लिया है। शेख मकसूद कुर्द बलों के नियंत्रण वाले कुछ इलाकों में से एक है। अलेप्पो सीरिया का सबसे बड़ा शहर है और यह कभी सीरिया का वाणिज्यिक केंद्र था।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में हुई अंधाधुंध गोलीबारी, 10 लोगों की हुई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के कैलिफोर्निया में अंधाधुंध फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में 16 लोगों को गोली लगी है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक घटना कैलिफोर्निया मोंटेरे पार्क में हुई है। जानकारी के मुताबिक मोंटेरे पार्क में चीन के नव वर्ष के दौरान एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नव वर्ष कार्यक्रम के दौरान यहां हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस दौरान शनिवार यानी 21 जनवरी की रात 10 बजे अंधाधुंध फायरिंग की गई। माना जा रहा है कि फायरिंग में लगभग 16 लोगों को गोली लगी है, जिसमें से 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज जारी है। इससे पहले 16 जनवरी को भी कैलिफोर्निया के गोशेन में एक घर में गोलीबारी हुई थी। इस हादसे में एक मां और उसके छह महीने के बच्चे की मौत हुई थी। पुलिस ने इस घटना को टारगेट किलिंग बताया था। वहीं कैलिफोर्निया में चीनी नव वर्ष मनाए जाने के दौरान हुई घटना के पीछे फायरिंग करने वाले कौन लोग हैं या इसके पीछे का मकसद अब तक साफ नहीं हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

एलन मस्क के ट्विटर में 80 फीसदी कर्मचारी कम

वाशिंगटन । अमेरिकी उद्योगपति एलोन मस्क के ट्विटर पर अधिग्रहण के बाद से कर्मचारियों की संख्या में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर–2022 के अंत में मस्क के ट्विटर के 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण को अंतिम रूप देने से पहले सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी में लगभग 7500 कर्मचारी थे लेकिन यह संख्या घटकर लगभग 1300 सक्रिय कर्मचारियों तक हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्विटर के पास अब 550 से कम पूर्णकालिक इंजीनियर हैं और सुरक्षा टीम में 20 से कम कर्मचारी शामिल हैं तथा कंपनी के पास लगभग 1400 गैर–काम करने वाले कर्मचारी भी हैं जिन्हें अभी भी भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी के 1300 कर्मचारियों में से लगभग 75 छुट्टी पर हैं जिनमें 40 इंजीनियर है। मस्क ने कंपनी के दिन–प्रतिदिन के संचालन में परिवर्तन करने के साथ ही कई कर्मचारियों को बाहर कर दिया है।

बिस्किट खरीदने गई महिला घर लौटी तो बन चुकी थी करोड़पति !

वाशिंगटन । इस दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि वो रातोंरात मालामाल हो जाए और उसके पास इतने रुपये आ जाएं कि उसे कभी पैसों की कमी ना रहे. पर ऐसा सिर्फ फिल्मों में ही होता है। हालांकि कभी–कभी जब किस्मत साथ दे तो लोगों की कल्पना भी हकीकत हो जाती है। हाल ही में ऐसा ही अमेरिका में एक महिला के साथ भी हुआ जो दुकान में बिस्किट खरीदने गई थी पर जब घर लौटी तो करोड़पति बन गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 51 साल की एमीलिया एस्ट्स नॉर्थ कैरोलाइना में रहती हैं और पिछले ?दिनों वो दुकान से बिस्किट खरीदने के लिए गई थीं। वहां से उन्होंने 1600 रुपए का एक लॉटरी स्क्रैचकार्ड खरीद लिया। जब उन्होंने कार्ड स्क्रैच किया और लॉटरी के नंबर से मैच किया तो उनके होश उड़ गए। उनके नाम 16 करोड़ रुपयों की लॉटरी लग गई थी। उन्होंने जो लॉटरी गेम खेला उसमें कंपनी जीतने वालों को दो विकल्प देती है. पहला ये कि तो वो 20 सालों तक हर साल 80 लाख रुपए लें या फिर एक बार में 9 करोड़ रुपए ले लें। एमीलिया ने एक बार में रुपए लेने का विकल्प चुना।

पाक के लिए मुश्किल हुआ भुगतान शिपिंग कंपनियां निर्यात सेवा बंद करने पर कर रहीं विचार

इस्लामाबाद। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान के लिए आयात का भुगतान करना मुश्किल हो गया है। आयात किया गया ज्यादातर सामान बंदरगाह पर ही पड़ा है। अब संभव है कि पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जहाज आना–जाना ही बंद हो जाएं। जहाज एजेंट्स ने सरकार को आगाह किया है कि विदेशी शिपिंग कंपनियां पाकिस्तान के लिए अपनी निर्यात सर्विस बंद करने पर विचार कर रही हैं। क्योंकि डॉलर की कमी के कारण बैंक उनका माल ढुलाई का पेमेंट नहीं कर रहा है। शिपिंग लाइन बंद हो जाती है तो सामान बेच कर जो डॉलर पाकिस्तान पा रहा है वह भी नहीं मिलेगा। पाकिस्तान के सीमावर्ती देशों को अगर छोड़ दें तो लगभग सभी देशों से व्यापार समुद्र के जरिए ही होता है। इसमें किसी भी तरह की रुकावट पाकिस्तान के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। पाकिस्तान शिप एजेंट्स एसोसिएशन (पीएसएए) के अध्यक्ष अब्दुल रऊफ ने वित्त मंत्री इशाक डार को एक पत्र लिख कर चेतावनी दी है। एसोसिएशन ने कहा है कि पाकिस्तान में विदेशी शिपिंग कंपनियां अपना व्यापार समेटने का मन बना रही हैं। अगर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बंद हो गया तो स्थिति और भी ज्यादा खराब हो जाएगी। पीएसएए के चेयरमैन ने पाकिस्तान स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद वाणिज्य मंत्री सय्यद नवीद और समुद्री मामलों के मंत्री फैसल सब्ज़वारी को भी पत्र लिखा है। अब्दुल रऊफ ने संबंधित मंत्रालयों और विभागों से अनुरोध किया है कि वे शिपिंग लाइन को चालू रखने के लिए हस्तक्षेप करें। उन्होंने आगे लिखा पाकिस्तान का विदेशी व्यापार शिपिंग लाइन पर निर्भर है। पेमेंट नहीं होने से समुद्री व्यापार में बाधा आनी शुरु हो गई है। जहाजों में कंटेनर सबसे महंगे होते हैं। तरल पदार्थ या अनाज को निर्यात करने में सामान्य तौर पर इनकी जरूरत नहीं होती है।

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के कारण एडरियाटिक हाइवे का एक हिस्सा तक बंद हो गया।

दहशत में पुतिन मॉस्को में एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती

–आधुनिक एस–400 मिसाइल सिस्टम को तैनात किया

मॉस्को। रूस–यूक्रेन युद्ध को सालभर होने को हैं लेकिन दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। रूस के खिलाफ यूक्रेन को पश्चिमी देश मदद कर रहे हैं इससे उसकी सैन्य क्षमता बढ़ गई है। यूक्रेन ने हाल के दिनों में रूस पर जवाबी आक्रमण तेज हुए हैं। यूक्रेन को अमेरिका ने हाल ही में 90 कॉम्बैट वाहन और पैट्रिएट मिसाइल देने का ऐलान किया है। इस बीच रूस को इसकी चिंता सता रही है कि यूक्रेन राजधानी मॉस्को पर मिसाइल हमला कर सकता है। इससे बचने के लिए पुतिन ने मॉस्को की ऊंची–ऊंची बिल्डिंग पर मिसाइल लांचर और एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती की है। इसी क्रम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आधिकारिक आवास के निकट एंटी एयर मिसाइल सिस्टम तैनात किया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय रक्षा प्रबंधन केंद्र की छत पर एक पैंटिर–एस1 रक्षा प्रणाली दिखाई दी है जो व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर आक्रमण के कमांड सेंटर फ्युन्ज़ेंस्काया के पास है। वीडियो में उसी शक्तिशाली प्रणाली को क्रेमलिन से डेढ़ मील दूर तगांका जिले के टेटरिंस्की लेन में एक छत पर ले जाते हुए दिखाया गया है। एक अन्य वीडियो क्लिप में नोवो–ओगारेवो में रूसी राष्ट्रपति के कंट्री रिट्रीट के करीब एक और पैंटिर–एस1 कॉम्प्लेक्स की तैनाती दिखाई गई है। साफ है कि ये तैनातियां रूसी ठिकानों को यूक्रेनी ड्रोन या मिसाइलों के हमले से बचाने के लिए की गई हैं।

एफबीआई को राष्ट्रपति बाइडेन के घर पर 13 घंटे छापेमारी में मिले छह गोपनीय दस्तावेज जब्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। एफबीआई ने डेलावेयर में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आवास की तलाशी ली और गोपनीय दस्तावेज के तौर पर चिह्नित छह दस्तावेज बरामद किए। विभाग ने बाइडन के कुछ हस्तलिखित नोट भी अपने कब्जे में लिए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन के वकील बॉब बाउर ने यह जानकारी दी। बाउर ने बताया कि न्याय विभाग ने शुक्रवार को बाइडन के विलमिंग्टन स्थित आवास की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि यह तलाशी करीब 13 घंटे तक चली। बाउर ने एक बयान में कहा कि न्याय विभाग ने अपनी जांच के दायरे में मानी जा सकने वाली सामग्री को कब्जे में ले लिया जिनमें गोपनीय दस्तावेज के तौर पर चिह्नित दस्तावेज और अन्य सामग्री शामिल हैं।

इनमें से कुछ सामग्री राष्ट्रपति (बाइडन) की सीनेट सदस्य और उपराष्ट्रपति के तौर पर सेवाओं के समय की हैं। बयान के मुताबिक अभियोजकों ने उपराष्ट्रपति के तौर पर बाइडन के कार्यकाल के दौरान उनके व्यक्तिगत रूप से हस्तलिखित नोट भी आगे की समीक्षा के लिए अपने कब्जे में ले लिए हैं।

जो बाइडेन के वकीलों को लगभग एक सप्ताह पहले उनके घर की लाइब्रेरी में छह गोपनीय दस्तावेज मिले थे। ये दस्तावेज उनके उपराष्ट्रपति कार्यकाल के समय से जुड़े थे। दस्तावेजों की खोज अमेरिका में एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। क्योंकि राष्ट्रपति पद से हटने के बाद डोनाल्ड ट्रंप के घर पर भी छापेमारी की गई थी और गोपनीय दस्तावेज जब्त किए गए थे। इन दस्तावेजों ने ट्रंप से जुड़ी जांच को जटिल बना दिया था। इसे देखते हुए एफबीआई ने तलाशी की है।

बाइडेन से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा हमें कई दस्वावेज गलत जगहों पर मिले हैं। हमने तुरंत इन्हें आर्काइव और जस्टिस डिपार्टमेंट को सौंप दिया है। बाइडेन ने कहा वह पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और इस मामले का जल्द ही हल निकालना चाहते हैं। जिस दौरान घर की तलाशी ली गई तब राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी पत्नी घर पर नहीं थे। अभी यह नहीं पता चला है कि क्या एफबीआई बाकी जगहों पर सर्च करेगी या नहीं।

अमेरिका पर भारी कर्ज संकट अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई

–वाइडन मिलेंगे स्पीकर मेक्कार्थी से

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की जो वाइडन सरकार आर्थिक संकट से लड़खड़ा गई है।अमेरिका निर्धारित सीमा 31।4 लाख डालर का कर्ज पहले ही ले चुकी है। सरकारी भुगतान नहीं हो पा रहे हैं। जिसके कारण सरकार ने अतिरिक्त कर्ज लेने की मांग की है।अमेरिका के ट्रेज़री विभाग के अनुसार बिल और बांड के जरिए उधार लेकर सरकार जून तक कर्मचारियों का वेतन और मेडीकेयर का भुगतान कर सकती है।

अमेरिका के वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा यदि सरकार की कर्ज सीमा को नहीं बढ़ाया गयातो पूरा विश्व आर्थिक संकट में फंस जाएगा। इस संकट को दूर करने के लिए अमरीका की सरकार ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से अतिरिक्त कर्ज की अनुमति देने की मांग की है।

उल्लेखनीय है अमेरिका पर सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के अनुपात में 128 फ़ीसदी कर्ज हो चुका है। अमेरिका सरकार बार-बार कर्ज संकट को दूर करने के लिए कांग्रेस से कर्ज सीमा बढ़ाने की मांग कर रही है। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन और अमेरिका प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैककार्थी आपस में मिलकर चर्चा कर उपयुक्त फैसला करेंगे।

दुनिया में कर्ज और आर्थिक मंदी के चलते दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है।जापानयूनान इटली इत्यादि देशों की तुलना में जीडीपी से अमेरिका का कर्ज थोड़ा ही कम है।आर्थिक दृष्टि से देखें तो अमेरिका सहित दुनिया के 12 विकसित देश गहरे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। इसके कारण सारी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल बनता जा रहा है।

न्यायिक प्रणाली में बदलाव की नेतन्याहू सरकार की योजना के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

तेल अवीव। (एजेंसी)। इज़राइल में न्यायिक प्रणाली में बदलाव की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू नीत सरकार की योजना का विरोध करने के लिए तेल अवीव में शनिवार रात हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। विरोधियों का आरोप है कि न्यायिक प्रणाली में बदलाव की नेतन्याहू सरकार की योजना ने देश के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों को खतरे में डाल दिया है। इज़राइली मीडिया ने पुलिस के हवाले से कहा कि तेल अवीव में लगभग एक लाख लोगों ने नेतन्याहू सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित मौजूदा सरकार को इज़राइल के इतिहास की सबसे अधिक रूढ़ीवादी और राष्ट्रवादी सरकार बताया जा रहा है।

न्यायिक प्रणाली में बदलाव की सरकारी योजना के खिलाफ तेल अवीव में पिछले हफ्ते भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। नेतन्याहू ने विरोध के बावजूद न्यायिक प्रणाली में बदलाव की योजना पर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई है।उनकी सरकार का कहना है कि शक्ति असंतुलन ने न्यायाधीशों और सरकारी कानूनी सलाहकारों को कानून निर्माण और शासन प्रणाली में बहुत हावी बना दिया है।

तेल अवीव में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हाथों में तख्तियां और बैनर थाम रखे थे, जिन पर लिखा था, 'हमारे बच्चे तानाशाही के साये में नहीं जिएंग' और 'इज़राइल, हमारे समक्ष एक समस्या है।' प्रदर्शन में शामिल विपक्षी नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री यायर लेपिड ने कहा, 'यह देश की रक्षा के लिए किया जा रहा विरोध-प्रदर्शन है। लोग आज यहां अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकत्रित हुए हैं।' प्रदर्शनकारी छात्र लायोर ने कहा, 'सभी पीढ़ियां चिंतित हैं। यह कोई मजाक नहीं है। यह लोकतंत्र की पूर्ण पुनर्व्याख्या है।' यरूशलम, हाइफा और बेर्शेबा जैसे शहरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन होने की खबरें हैं।

कर्ज में फंसे श्रीलंका की ओर भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ चीन के व्यवहार पर कोलंबो ने जताई निराशा

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को बताया है कि वह बुरी तरह से कर्ज में फंसे अपने इस पड़ोसी की मदद के लिए तैयार है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका दौरे पर वादा किया कि सात दशक का सबसे बड़ा कर्ज संकट दूर करने में भारत उसकी मदद के लिए प्रतिबद्ध है। इस बयान के तुरंत बाद चीन ने श्रीलंका के वित्त मंत्रालय को एक चिट्ठी भेजी है। इसमें उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के कर्ज प्रोग्राम को हासिल करने में उसकी मदद का वादा किया है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन की तरफ से भेजी गई चिट्ठी में उस ऋण पुर्नगठन में समर्थन की बात कही गई है इसके लिए श्रीलंका काफी समय से कोशिश कर रहा है। श्रीलंका एक सरकारी सूत्र ने बताया श्रीलंका सरकार को चीन से एक सकारात्मक रवैये की उम्मीद थी। मगर चीन की जगह भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया और संकट में फंसे देश ने राहत की सांस ली है। श्रीलंका की सरकार चीन की तरफ

से मिली चिट्ठी को लेकर थोड़ी निराश है।

इस निराशा के बाद भी श्रीलंका ने तय किया है कि वह कर्ज पुर्नगठन के लिए बातचीत जारी रखेगा। साथ ही उसे सब अच्छा होने की उम्मीद है। सरकार के सूत्रों की मानें तो चीन की तरफ से जैसी प्रतिक्रिया मिली है वह आशा के विपरीत है। दूसरी तरफ भारत ने पेरिस क्लब के साथ मिलकर श्रीलंकाई कर्ज के पुर्नगठन में सहयोग की इच्छा जताई है। भारत की इस इच्छा का चीन के साथ साझा नहीं किया गया है। पेरिस क्लब की तरफ से प्रस्ताव दिया गया है कि कर्ज का पुर्नगठन सभी लेनदारों के लिए एक समान होना चाहिए। इसके साथ ही निजी लेनदारों को एक समान पेशकश की जाए। लेकिन द्विपक्षीय लेनदारों से कर्ज को टालने का प्रस्ताव दिया गया है।

इस बीच आईएमएफ श्रीलंका के कर्ज के पुनर्गठन के लिए चीन के साथ बातचीत कर रहा है और देश को मनाने की कोशिशों में लगा है। पिछले दिनों आईएमएफ की मुखिया क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि आईएमएफ चीन को इस पूरे मुद्दे पर समझान चाहता है। वह चीन को बताना चाहता है कि इसके लिए और क्या-क्या हो सकता है। भारत सरकार ने पिछले हफ्ते आईएमएफ को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में उसने ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम को अपना समर्थन जाहिर किया था।

ब्राजील में दंगाइयों का समर्थन करने के आरोप में पीएम लूला ने सेना प्रमुख को बर्खास्त किया

ब्रासीलिया । ब्राजील में 8 जनवरी को हुए दंगों में दावा किया गया है कि सेना प्रमुख ने दक्षिणपंथी दंगाइयों को गिरफ्तारी से बचाने की कोशिश की थी। इन आरोपों के बाद देश के नए राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा ने नए सेना प्रमुख जनरल जूलियो सीज़र डी अरुडा को बर्खास्त कर दिया है। लूला के समर्थकों का कहना है कि जूलियो सीजर डी अरुडा ने राजनीतिक रूप से बोल्सनारो के साथ गठबंधन किया कथित तौर पर हमले की रात ब्रासीलिया के सेना मुख्यालय के बाहर एक छावनी में शरण लेने वाले संदिग्ध दंगाइयों को हिरासत में लेने वाली पुलिस को रोक दिया। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर को राष्ट्रपति चुनाव के बाद पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने अपनी हार को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद 8 जनवरी को ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के समर्थकों ने राष्ट्रपति महल कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में जमकर तोड़फोड़ की और वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा के खिलाफ नारेबाजी की। राजधानी में पीले और हरे रंग के कपड़े पहने हजारों प्रदर्शनकारियों ने देश में बवाल मचा दिया। इस विद्रोह में 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े लेकिन तब भी प्रदर्शनकारी अधिकारियों पर भारी पड़ गए। इस दंगे को लूला के प्रशासन ने तख्तापलट का प्रयास बताया था।

यूएन की उप महासचिव अमीना ने कहा- तालिबान का एक धड़ा चाहता है महिलाओं की आजादी

– कट्टरपंथी गुट नहीं चाहता महिलाओं की स्वतंत्रता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान की चार दिवसीय यात्रा के दौरान तालिबान से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बहाल करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि तालिबान के कुछ अधिकारी महिलाओं के अधिकारों को बहाल करने के पक्ष में थे लेकिन अन्य स्पष्ट रूप से इसके खिलाफ थे। संयुक्त राष्ट्र की टीम ने राजधानी काबुल और दक्षिणी शहर कंधार में तालिबान से मुलाकात की। हालांकि उसने बैठक में शामिल तालिबान के किसी भी अधिकारी के नाम जारी नहीं किए। ये बैठकें तालिबान के अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद महिलाओं और लड़कियों पर लगाई गई पाबंदियों पर केंद्रित रही। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र उप महासचिव अमीना मोहम्मद के नेतृत्व वाली टीम ने पाया कि तालिबान के कुछ अधिकारियों का रुख सहयोगात्मक था और उन्हें प्रगति के कुछ संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात उन (तालिबान) अधिकारियों से सामंजस्य स्थापित करना है जिनका रुख सकारात्मक था। हक ने इस बात पर जोर दिया कि तालिबान के बीच प्राधिकार के कई अलग-अलग बिंदु हैं और संयुक्त राष्ट्र की टीम चाहेगी कि वे हमारे लक्ष्य पर मिलकर काम करें जिसमें सबसे महत्वपूर्ण महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बहाल किया जाना है।

लैंगिक समानता व महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करती है 'संयुक्त राष्ट्र महिला'

मोहम्मद पूर्व नाइजीरियाई कैबिनेट मंत्री और एक मुस्लिम हैं। उनके नेतृत्व वाली इस यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महिला की कार्यकारी निदेशक सिमा बाहौस भी शामिल थीं। 'संयुक्त राष्ट्र महिला' लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करती है। साथ ही इस यात्रा में राजनीतिक मामलों के सहायक महासचिव खालिद खियारी भी शामिल थे। जैसा कि तालिबान ने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान के अपने पिछले शासन के दौरान किया था उसने धीरे-धीरे इस्लामी कानून या शरिया की अपनी कठोर व्याख्या को फिर से लागू कर दिया है। लड़कियों को छठवीं कक्षा के बाद स्कूल जाने से रोक दिया गया है और महिलाओं को ज्यादातर नौकरियों सार्वजनिक स्थानों और जिम जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिसंबर के अंत में तालिबान ने सहायता समूहों को महिलाओं को रोजगार देने से रोक दिया। इससे युद्ध प्रभावित देश में सहायता संगठनों के लिए काम कर रही हजारों महिलाओं की रोजी-रोटी छिन गई। स्वास्थ्य क्षेत्र सहित कुछ क्षेत्रों में महिलाओं को सीमित कार्य की अनुमति दी गई है।

अभी अफगानिस्तान कर रहा एक भयानक मानवीय संकट का सामना

हक ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के मामले में हमने जो देखा है वह पीछे ले जाने वाला कदम है। हम और अधिक करने की कोशिश कर रहे हैं और हम उस मोर्चे पर काम जारी रखेंगे। एक बयान में मोहम्मद ने कहा कि तालिबान के लिए उनका संदेश बहुत स्पष्ट था कि ये प्रतिबंध अफगान महिलाओं और लड़कियों को एक ऐसे भविष्य की ओर ले जाएंगे जो उन्हें उनके घरों में सीमित कर देगा उनके अधिकारों का उल्लंघन करेगा और समुदायों को उनकी सेवाओं से वंचित कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक महत्वाकांक्षा एक समृद्ध अफगानिस्तान के लिए है जो खुद शांति के साथ रहने के साथ ही अपने पड़ोसियों के साथ भी शांति से रहे और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़े। लेकिन अभी अफगानिस्तान एक भयानक मानवीय संकट का सामना कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड में हो रही है अफीम की खेती

हजारीबाग । झारखंड राज्य भी धीरे-धीरे नशे के कारोबार और नशे का शिकार होता जा रहा है। पिछले वर्षों में किसानों से लीज पर खेत लेकर माफिया अफीम की खेती कर रहे हैं। इसके लिए माफिया ने मुंबई के ट्रेनर बुलाए हैं जो प्रोसेस करने का तरीका स्थानीय लोगों को सिखा रहे है।मशीन लगाकर किस तरीके से ब्राउन शुगर तैयार की जाती है इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। सप्लाई के लिए पेडलर तैयार किए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में हजारीबाग रांची बोकारो जमशेदपुरधनबाद जैसे बड़े शहरों के स्कूल कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को भी इस कारोबार में धकेला जा रहा है। युवाओं को नशे का आदी बनाया जा रहा है। किसानों से महंगे दामों पर जमीन लीज पर अफीम की खेती के लिए ली जा रही है। किसान भी बिना कुछ किए ज्यादा मुनाफा पाने के चक्कर में अपनी जमीन माफिया को लीज पर दे रहे हैं। जिसके कारण पूरा झारखंड नशे की गिरफ्त में फंसता चला जा रहा है।

विस्फोटों की जांच के लिए जम्मू पहुंची एनआईए की टीम

नई दिल्ली । जम्मू के बजाल्टा इलाके में हुए तीन विस्फोटों के एक दिन बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम रविवार को घटनास्थल पर पहुंची। विस्फोटों में एक पुलिस कांस्टेबल सहित दस लोग घायल हो गए थे। फिलहाल मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है लेकिन संभावना है कि इसे एनआईए को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि ये विस्फोट सीमा पार आतंकवादियों द्वारा किए गए हैं। पाकिस्तान स्थित आकाओं की भूमिका की जांच की जा रही थी इसी से बौखलाकर इस घटना को अंजाम देने का प्रयास किया गया है। अतिरिक्त डीजीपी (जम्मू जोन) मुकेश सिंह ने कहा था कि जम्मू शहर के नरवाल इलाके में दो वाहनों में हुए दो विस्फोटों में कई लोग घायल हो गए है। बाद में एक और धमाके की सूचना मिली। कांस्टेबल सुरिंदर सिंह सिधरा चौक पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे तभी बालू से लदा एक डंपर दिखाई दिया। पुलिस ने चेकिंग के लिए उसे रोका लेकिन अचानक उसमें विस्फोट हो गया और कई लोग घायल हो गए। अब एनआईए की टीम वहां पहुंच गई है और साक्ष्य जुटा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज 11 बच्चों को देंगी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पीएम मोदी कल करेंगे इनसे बातचीता

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 जनवरी को दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाले पुरस्कार समारोह में 11 असाधारण बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 प्रदान करेंगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जनवरी को पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत करेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत सरकार बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पुरस्कार प्रदान करती है। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को छह श्रेणियों में उनकी उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। इनमें कला और संस्कृति बहादुरी नवाचार शैक्षिक सामाजिक सेवा और खेल शामिल हैं। 23 जनवरी को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुरस्कार दिए जाएंगे और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन विजेता बच्चों से बातचीत करेंगे। जानकारी के अनुसार प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक एक लाख रुपये नकद पुरस्कार और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

बुजुर्ग की पिटाई करने वाली महिला पुलिसकर्मी तीन माह के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर बिहार का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी एक बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई कर रहीं हैं। पीड़ित बुजुर्ग 65 साल के इंग्लिश के टीचर हैं जिनका नाम नवल किशोर पांडेय है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग इस पर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने भी इस पर प्रतिक्रिया की है। उन्होंने दोनों महिला पुलिसकर्मियों को तमीज का पाठ पढ़ाया है। बुजुर्ग शख्स की गलती सिर्फ इतनी थी कि रास्ते में साइकिल चलाते हुए वह गिर गए जिससे वहां पर जाम लग गया फिर क्या था। वीडियो में नजर आ रहीं दोनों महिला पुलिसकर्मियों ने अपनी वर्दी के घमंड में चूर होकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि सड़क पर जाम लगा हुआ था। महिला पुलिसकर्मी उसे खुलवाने का प्रयास कर रहीं थीं। तभी बुजुर्ग अपने साइकिल से गिर गए और उठने में देर होने पर लंबा जाम लग गया। यह देखते ही महिला पुलिसकर्मियों ने उनकी पिटाई कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह मामला सामने आने के बाद नंदिनी कुमारी और जयंती कुमारी नाम की दोनों महिला कांस्टेबल को तीन माह के लिए सस्पेंड कर दिया है। एसपी ललित मोहन शर्मा के यह जानकारी दी है।

बाल ठाकरे की 97वीं जयंती पर शिवसेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे उद्धव

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की 97वीं जयंती पर सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उद्धव ठाकरे सोमवार को 'गेटवे ऑफ इंडिया' के पास पार्टी संस्थापक की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और बाद में शाम को षण्मुखानंद सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शिवसेना नेता ने कहा, ''यह दिन हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'' भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) वर्तमान में शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुटों के बीच पार्टी के चुनाव चिन्ह धनुष और बाण को लेकर विवाद की सुनवाई कर रहा है। राउत ने शनिवार को कहा था कि उनके धड़े ने पार्टी के चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' पर नियंत्रण के लिए अपना पक्ष निर्वाचन आयोग के समक्ष रखा है और उसे विश्वास है कि ''दबाव की राजनीति'' का स्वतंत्र संस्थान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में भाग लेने के लिए जम्मू जाने को लेकर राज्यसभा के सदस्य राउत ने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक आंदोलन है, जिसे समर्थन मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यात्रा से डरती है और इसलिए इसकी आलोचना कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकने के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की इच्छा सर्वोच्च होती है। उन्होंने कहा, ''जिसके पास लोगों का समर्थन है, वह प्रधानमंत्री बन सकता है।

एच डी देवेगौड़ा ने वीआईएसएल संयंत्र की बंदी रोकने का प्रधानमंत्री मोदी से किया अनुरोध

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने कर्नाटक के भद्रावती में स्थित इस्पात संयंत्र वीआईएसएल को बंद करने का प्रस्ताव वापस लेने का इस्पात मंत्रालय को निर्देश देने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया है। देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में विश्वेसरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआईएसएल) के भद्रावती स्थित संयंत्र को बंद करने का प्रस्ताव वापस लेने के साथ ही इसे फिर से चालू करने के लिए जरूरी कदम उठाने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करने अन्यथा बंद किए जाने की नीति के तहत स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) प्रबंधन वीआईएसएल को बंद करने की कवायद शुरू कर चुका है।

उन्होंने कहा कि इस संयंत्र की स्थापना महान इंजीनियर सर एम विश्वेसरैया ने की थी। देवेगौड़ा ने रविवार को एक ट्वीट में इस पत्र का ब्योरा देते हुए कहा, ''कर्नाटक में सार्वजनिक क्षेत्र की इकलौती इस्पात कंपनी वीआईएसएल है। अगर यह संयंत्र बंद हो गया तो इससे 20,000 लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।'' उन्होंने 15 जनवरी को लिखे इस पत्र में कहा है कि कुछ करोड़ रुपये के निवेश से इस कंपनी को एक लाभदायक उद्यम के रूप में बदला जा सकता है।

चीन ने स्वीकार की कोरोना से तबाही की बात बताया संक्रमित हो चुकी है 80 फीसदी आबादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और पश्चिमी देशों के दावे के बीच आखिरकार चीन ने भी यह सच कबूल कर लिया है कि उसकी बहुत बड़ी आबादी कोरोना से संक्रमित हो चुकी है। चीन के एक वैज्ञानिक ने कहा कि उनके देश की 80 फीसदी आबादी कोरोना से संक्रमित हो चुकी है। हालांकि इस बात का हवाला देकर उन्होंने चीन में संक्रमण के चलते संभावित खतरों को खारिज करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने यह स्वीकार किया कि चीन के लोगों के ज्यादा ट्रैवल करने के चलते कोरोना के और केस सामने आ सकते हैं।

चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य महामारी विज्ञानी वू जुनयौ ने कहा कि लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के दौरान लोगों के बड़े पैमाने पर ट्रैवल करने के कारण महामारी फैल सकती है। इससे कुछ क्षेत्रों में संक्रमण बढ़ सकता है। चीनमें लूनर न्यू ईयर पर छुट्टियां रहती हैं। इसलिए चीन के लोग अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए अलग-अलग जगहों की यात्राए करते हैं।

हाल ही में चीन ने अपनी जीरो कोविड पॉलिसी को खत्म करते हुए कई बड़े फैसले किए थे। चीन ने यह भी स्वीकार किया था कि 12 जनवरी तक एक महीने के अंदर कोविड से उनके करीब 60 हजार नागरिकों की मौत हुई। हालांकि विशेषज्ञों का मानना था कि चीन ने इस आंकड़े को काफी कम करके बताया है। हाल ही में यह रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि चीन में कोविड के कारण रिकॉर्ड मौतें हुईं। रिकॉर्ड मरीज अस्पताल में भर्ती हुए लेकिन चीन ने रिकॉर्ड को मानने से इनकार कर दिया था। आंकड़े इस कदर छिपाए जा रहे थे कि असल स्थिति को समझना विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए भी चुनौती बन गया था।

कोरोना से जूझ रहे चीन के सामने हाल ही में बुरी खबर आई थी। देश की आर्थिक विकास दर के आंकड़े जारी किए गए थे। इनके मुताबिक साल 2022 में चीन की इकोनॉमिक ग्रोथ रेट 3 फीसदी रही। चीन से शुरू हुआ कोरोना वायरस का प्रकोप अब तक इसके लिए मुसीबत का सबब बन गया है। बीते साल 2022 में देश में कोरोना पर काबू पाने के लिए वायरस से निपटने के लिए लगाई गईं पाबंदियों और रियल एस्टेट सेक्टर पर मंदी के चलते देश की इकोनॉमिक ग्रोथ 3 फीसदी की दर से हुई जो चार दशक में सबसे कमजोर आंकड़ा है। चीन में बीते साल आर्थिक विकास दर की जो रफ्तार रही वो भारत सरकार के साल 2022 में जीडीपी की अनुमानित दर 7 फीसदी के आधी से भी कम है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के लिए अपना पूर्वानुमान 6.9 फीसदी तय किया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2022 में चीन का सकल घरेलू उत्पाद 121020 अरब युआन या 17940 अरब डॉलर रहा।

राहुल गांधी नफरत पैदा कर सत्ता पाने की कोशिश कर रहे हैं : राजनाथ सिंह

सिंगरौली (एजेंसी)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां रविवार को कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी नफरत पैदा कर सत्ता पाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता सारी दुनिया में भारत को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज और देश बनाने के लिए की जानी चाहिए। सिंह ने मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में 25,500 गरीब परिवारों को 'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' के तहत निःशुल्क भू-खंड वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''इस समय एक नेता 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले हैं, वो क्या-क्या बातें करते हैं?'' सिंह ने कहा, ''भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा है। भारत बदल चुका है। जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय हमारे जवानों ने दिया है, वह अद्भुत है। लेकिन ये कांग्रेस के नेता सेना के जवानों के बारे में कुछ भी बोल रहे हैं।'' राजनाथ सिंह ने कहा, ''कांग्रेस के नेता हमारी सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। भारत टूटा (हुआ) देश है क्या, जो कांग्रेस के नेता भारत जोड़ने के लिए निकले हैं? भारत 1947 में टूट चुका है, अब नहीं टूटेगा। भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा, जो चाहे आँख दिखाकर

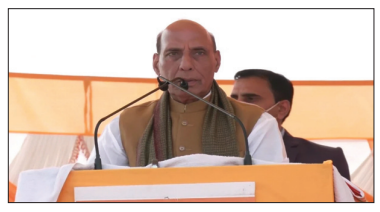

निकल जाये।'' सिंह ने कहा, ''आज राहुल गांधी चारों तरफ घूम-घूम कर कह रहे हैं कि हिंदुस्तान में चारों तरफ नफरत है। क्या (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी नफरत फैला रहे हैं? क्या (मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री) शिवराज सिंह चौहान जी नफरत फैला रहे हैं? कहाँ इनको नफरत दिखाई देती है?'' उन्होंने कहा, ''सारी दुनिया में भारत को कांग्रेस के नेता बदनाम कर रहे हैं। जिस भारत की इज्जत सारी दुनिया में बढ़ी है, जो भारत सारे विश्व को अपना परिवार मानता है, उसके बारे में राहुल गांधी क्या बोल रहे हैं।'' सिंह ने आगे कहा, ''नफरत पैदा कर के राहुल गांधी सत्ता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे भारत ने कभी जाति, पंथ और मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं किया। भारत की आजादी में सभी ने योगदान दिया।'' सिंह ने कहा, ''राहुल जी लोगों के बीच जाकर मोदीजी और भाजपा के प्रति नफरत पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ये (राहुल एवं कांग्रेस नेता) मोहब्बत फैलाने की बात करते हैं। ये क्या जानते हैं मोहब्बत क्या है?'' उन्होंने कहा, ''भारत के मान, सम्मान और शौर्य से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। राहुल जी, नफरत की बात करके दुनिया में भारत की छवि को दुनिया में खराब मत कीजिए। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, समाज और देश बनाने के लिए की जानी चाहिए।'' सिंह ने कहा, ''राहुल अगर देश की प्रगति में योगदान नहीं दे सकते हो, तो चुप बैठे। भारत को बदनाम करने की कोशिश मत करो।'' उन्होंने मोदी सरकार की पिछले आठ साल की विभिन्न उपलब्धियां बताते हुए कहा, ''हम रक्षा के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। दुनिया की नजरों में भारत अब ताकतवर भारत बन गया है और अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का कद ऊँचा हुआ है, लेकिन कांग्रेस के नेता हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम पर सवालिया निशान लगाते हैं।'' सिंह ने कहा कि ऐसी बहुत बातें हैं, जो खुलकर नहीं की जा सकती हैं। हमारे सैनिक बहादुर हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, ''रक्षा मंत्री होने के नाते मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि देश की सीमाओं पर कोई बुरी नजर डालने की कोशिश करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

बजट सत्र से पहले 29 जनवरी को पीएम मोदी ने बुलाई मंत्रिपरिषद की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। 31 जनवरी से शुरू होने वाले संसद के बजट सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 जनवरी को अपने मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। 2023 में यह मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में केंद्र सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री राज्य मंत्री-स्वतंत्र प्रभार एवं राज्य मंत्री शामिल होंगे।

नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल के आखिरी पूर्ण बजट से पहले बुलाई गई इस मंत्रिपरिषद की बैठक को बजट सत्र के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। संसद का बजट सत्र इस बार 31 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी और एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के वर्तमान कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश करेगी।

सूत्रों के मुताबिक इससे पहले 29 जनवरी को बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजट सत्र को लेकर सभी मंत्रियों को विशेष निर्देश दे सकते हैं। चूंकि यह मोदी सरकार के वर्तमान कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट होगा इसलिए प्रधानमंत्री यह चाहेंगे कि सरकार के सभी मंत्री बजट पेश होने के बाद इसके जनकल्याणकारी पहलुओं को ज्यादा से ज्यादा उजागर कर जनता तक पहुंचाने के लिए अथक प्रयास करें क्योंकि इसी वर्ष देश के नौ राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के साथ ही अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव में भी पार्टी इस बजट का लाभ उठाना चाहेगी।

बैठक में भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता से जुड़े कार्यक्रमों पर भी चर्चा हो सकती है। देशभर के 50 से ज्यादा स्थानों पर जी-20 से जुड़े लगभग दो सौ कार्यक्रम होने है। इन कार्यक्रमों में जी-20 देशों के अलावा आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसी 14 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं भी भाग लेंगी इसलिए भारत सरकार इन कार्यक्रमों को भव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। सरकार इन कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा जनभागीदारी को भी सुनिश्चित करना चाहती है।

राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर जयराम रमेश का बयान, कहा- कांग्रेस नहीं करेगी समझौता

सांबा/जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के बाहरी इलाके में दो बम विस्फोटों में नौ लोगों के घायल होने के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुल गांधी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यात्रा बृहस्पतिवार शाम पंजाब होते हुए जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में दाखिल हुई थी। शनिवार को एक दिन के विराम के बाद यात्रा रविवार को हीरानगर से शुरू हुई और 23 जनवरी को जम्मू पहुंचेगी। यात्रा सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। पार्टी नेताओं के अनुसार, गांधी जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे बनिहाल में लोगों के साथ गणतंत्र दिवस मना सकते हैं।

गांधी परिवार की सुरक्षा के बारे में रमेश ने कहा कि आतंकवाद पर पार्टी का रुख स्पष्ट है और आतंकवाद के षड्यंत्रकारियों या प्रायोजकों से निपटने में कोई समझौता नहीं होगा। सांबा के चक नानक में रमेश ने संवाददाताओं से कहा, ''गांधी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम सुरक्षा एजेंसियों के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन कर रहे हैं।'' हीरानगर से 21 किमी की दूरी तय करने के बाद यात्रा रात के लिए सांबा में रुकेगी। पार्टी की जम्मू कश्मीर प्रभारी रजनी पाटिल, जम्मू कश्मीर कांग्रेस प्रमुख विकार रसूल वानी और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यात्रा तय कार्यक्रम के अनुसार समाप्त होगी।

वानी ने कहा, ''राहुल गांधी केंद्र शासित प्रदेश में यात्रा कर रहे हैं और गणतंत्र दिवस पर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे बनिहाल में तिरंगा फहरा सकते हैं।'' जम्मू के बाहरी हिस्से के एक व्यस्त इलाके में शनिवार को दो विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए। पुलिस को संदेह है कि नरवाल के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में मरम्मत की एक दुकान में खड़ी एसयूवी और पास के कबाड़खाने में एक वाहन में विस्फोट करने के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया था। हमले की निंदा करते हुए पार्टी प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि जम्मू कश्मीर में यात्रा का अंतिम चरण सुरक्षा एजेंसियों के परामर्श से तय किया गया था। उन्होंने कहा, ''हम अपने नेता की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं। एक दिन पहले दोहरे विस्फोट से सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठा है।'' उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हैं और अपना काम संतोषजनक ढंग से कर रही हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं के मद्देनजर सरकार का यह दावा झूठा साबित होता है कि आतंकवाद को खत्म कर दिया गया है।''

दिल्ली के सरकारी स्कूलों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहते हैं: केजरीवाल

कोलकाता (एजेंसी)। नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि वह चाहते हैं कि शहर के सरकारी स्कूल दुनिया में सबसे बेहतर हों, ताकि विदेश से छात्र यहां शिक्षा हासिल करने के लिए आएं। विदेशों में प्रशिक्षण के लिए गए शिक्षकों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने उनसे कहा कि वह उन्हें विदेश भेजते रहेंगे और उन्हें दिल्ली और देश के लोगों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग इसे खर्च मानते हैं, लेकिन यह निवेश है। मुझे लगता है कि आप चार पुल कम और चार सड़कें कम बना सकते हैं, लेकिन हमें अपने शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देना चाहिए। वे छात्रों को तैयार करेंगे, जो भविष्य में सड़कें और पुल बनाएंगे।'' उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अच्छा काम करने वालों को नीचा दिखाने की

प्रवृत्ति है। केजरीवाल ने कहा, ''कुछ ऐसे लोग हैं, जो हमारा अच्छा काम देखते हैं और जलन महसूस करते हैं। वे हमें बदनाम करना चाहते हैं। लेकिन मेरी दलगत राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर कोई भाजपा या कांग्रेस का व्यक्ति देश में कहीं शिक्षा व्यवस्था सुधारना चाहता है, तो मैं मनीष सिसोदिया को कुछ दिनों के लिए उनकी मदद करने को कह दूंगा। हम पूरे देश की शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य शिक्षकों को सीखने का बेहतर अनुभव देना है। उन्होंने कहा, ''हमें अंतरराष्ट्रीय स्कूलों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है। एक समय था, जब हम चाहते थे कि सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर हों। और ऐसा हुआ भी। अब हम चाहते हैं कि हमारे स्कूल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बनें। हम सर्वश्रेष्ठ होने की कल्पना करते हैं।'' केजरीवाल ने कहा कि लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास शिक्षकों को दुनिया की सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराने का है। उन्होंने कहा, ''हमारे आलोचक भी मानते हैं कि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। यह दिल्ली के दो करोड़ लोगों की वजह से हुआ है।'' उन्होंने कहा कि 2015 से पहले, स्कूल बेहद खराब स्थिति में थे, लेकिन अब उनकी स्थिति बेहतर हैं। उन्होंने इस बदलाव के लिए शिक्षकों की सराहना की।

बीजेपी अब दिन गिनने लगी है, केवल 398 दिन बचे हैं : अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जिस तरीके से दिन गिनने लगी है, उसे देखते हुए आज मैं यह कहना चाहूंगा कि उसके पास अब केवल 398 दिन बचे हैं। अखिलेश लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क में समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से मुखातिब थे। लखनऊ में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा, 'भाजपा इस बार हो सकता है कि उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर हार जाए। जोपार्टी यह कहती हो कि हम बरसों सत्ता में रहेंगे, वो अब 400 दिन की बात कर रही है। और अब तो दो दिन और बीत गए हैं यानी सिर्फ 398 दिन बचे हैं।' अखिलेश ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को उत्तर प्रदेश के कम से कम दो मेडिकल कॉलेज का दौरा करना चाहिए, जिनका उन्होंने खुद शिलान्यास किया था और तब वह खुद समझ जाएंगे कि उन्हें कितनी सीटों पर जीत हासिल होने वाली है। उल्लेखनीय है कि लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की एक दिवसीय बैठक हो रही है, जबकि इससे पहले 17 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का समापन किया था। मोदी ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा था, '2024 के लोकसभा चुनाव में करीब 400 दिन बचे हैं। इसलिए पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पूरे समर्पण के साथ समाज के हर वर्ग की सेवा में जुट जाना चाहिए।' अखिलेश ने भाजपा से अपनी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हिरासत में मौत के मामलों में पीड़ित परिवारों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और सरकारी नौकरी देने संबंधी प्रस्ताव पारित करने की मांग की।

गणतंत्र दिवस परेड में गुजरात, असम, जम्मू-कश्मीर, बंगाल व अन्य की झांकियां दर्शकों को लुभाएंगी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के पुनर्निमित कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के दौरान असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गुजरात, पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की रंगारंग झांकियां दर्शकों का मन मोहेंगी। अधिकांश झांकियों का विषय नारी शक्ति है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक और सामाजिक प्रगति को दर्शाने वाली कुल 23 झांकियां 26 जनवरी को औपचारिक परेड का हिस्सा होंगी।

इन झांकियों में से 17 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तथा छह झांकियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की होंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां संवाददाताओं को बताया कि गृह मंत्रालय दो झांकी प्रदर्शित करेगा, जिनमें स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की एक-एक झांकी शामिल होगी। अधिकारी के अनुसार, कृषि मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय की एक-एक झांकी कर्तव्य पथ पर दर्शकों को आकर्षित करेगी।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की झांकी भी कर्तव्य पथ पर नजर आएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या रेल मंत्रालय की तरफ से भी कोई झांकी निकाली जाएगी, उन्होंने कहा कि नहीं, इस साल की परेड में रेल मंत्रालय की कोई झांकी नहीं होगी। अधिकारी ने बताया कि विभिन्न राज्यों द्वारा इस वर्ष अपनाई गई थीम काफी हद तक सांस्कृतिक विरासत और अन्य विषयों के अलावा नारी शक्ति है। पश्चिम बंगाल की झांकी में कोलकाता की दुर्गा पूजा को दर्शाया गया है और यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में इसके शामिल होने का जश्न मनाया गया है।

असम की झांकी में पौराणिक अहोम सेनापति लचित बोरफुकन और प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर सहित इसके सांस्कृतिक स्थलों को गर्व से दिखाया गया है। पिछले साल राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किए जाने के बाद इस ऐतिहासिक पथ में आयोजित यह पहला गणतंत्र दिवस समारोह होगा। फुल ड्रेस रिहर्सल परेड सोमवार को होगी। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने पहले कहा था कि 74वां गणतंत्र दिवस समारोह पुनर्निमित सेंट्रल विस्टा एवेन्यू में होगा और सरकार ने जनता के लिए 32,000 टिकट ऑनलाइन बिक्री के लिए रखे हैं।

इस बीच, चंडीगढ़ से प्राप्त समाचार के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव इस साल के गणतंत्र दिवस परेड के लिए कर्तव्य पथ पर हरियाणा की झांकी का विषय है और इसमें भगवद गीता में वर्णित भगवान कृष्ण की एक 'विराट स्वरूप' प्रतिमा को चित्रित किया जाएगा। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव अमित अग्रवाल ने कहा कि झांकी भगवद गीता का संदेश देगी और महाभारत युद्ध के विभिन्न दृश्यों को भी बारीकी से प्रदर्शित करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुभाषचंद्र बोस जयंती विशेष

सुभाष चन्द्र बोस का जन्म– 23 जनवरी 1897 एवं मृत्यु 18 अगस्त 1945) को हुई ।भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे । द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था, उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है । तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूँगा का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया ।भारतवासी उन्हें नेता जी के नाम से सम्बोधित करते हैं ।

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जब नेता जी ने जापान और जर्मनी से सहायता लेने का प्रयास किया था, तो ब्रिटिश सरकार ने अपने गुप्तचरों को 1941 में उन्हें खत्म करने का आदेश दिया था ।

यदि कभी झुकने की नौबत आ जाए तो वीरों की तरह झुके

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है

नेता जी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने सुप्रीम कमाण्डर के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए दिल्ली चलो! का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इंफाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया।

21 अक्टूबर 1943 को सुभाष बोस ने आज़ाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड सहित 11 देशो की सरकारों ने मान्यता दी थी। जापान ने अंडमान व निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिये। सुभाष उन द्वीपों में गये और उनका नया नामकरण किया।

1944 को आज़ाद हिंद फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। कोहिमा का युद्ध 4 अप्रैल 1944 से 22 जून 1944 तक लड़ा गया एक भयंकर युद्ध था। इस युद्ध में जापानी सेना को पीछे हटना पड़ा था और यही एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ।

6 जुलाई 1944 को उन्होंने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी के नाम एक प्रसारण जारी किया जिसमें उन्होंने इस निर्णायक युद्ध में विजय के लिये उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएँ माँगीं। नेताजी की मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है। जहाँ जापान में प्रतिवर्ष 18 अगस्त को उनका शहीद दिवस धूमधाम से मनाया जाता है वहीं भारत में रहने वाले उनके परिवार के लोगों का आज भी यह मानना है कि सुभाष की मौत 1945 में नहीं हुई। वे उसके बाद रूस में नज़रबन्द थे। यदि ऐसा नहीं है तो भारत सरकार ने उनकी मृत्यु से संबंधित (सम्बन्धित) दस्तावेज अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं किये ?(यथा संभव (सम्भव) नेता जी की मौत नहीं हुई थी) 16 जनवरी 2014 (गुरुवार) को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नेता जी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की माँग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के लिये विशेष पीठ के गठन का आदेश दिया। आज़ाद हिन्द सरकार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इतिहास में पहली बार वर्ष 2018 में भारत के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले पर तिरंगा फहराया। 23 जनवरी 2021 को नेताजी की 125वीं जयन्ती है जिसे भारत सरकार ने पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

जन्म और पारिवारिक जीवन

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हिन्दू कायस्थ परिवार में हुआ था[8]। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। पहले वे सरकारी वकील थे मगर बाद में उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। उन्होंने कटक की महापालिका में लम्बे समय तक काम किया था और वे बंगाल विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें रायबहादुर का खिताब दिया था। प्रभावती देवी के पिता का नाम गंगानारायण दत्त था। दत्त परिवार को कोलकाता का एक कुलीन परिवार माना जाता था। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 सन्तानें थी जिसमें 6 बेटियाँ और 8 बेटे थे। सुभाष उनकी नौवीं सन्तान और पाँचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरद चन्द्र से था। शरदबाबू प्रभावती और जानकीनाथ के दूसरे बेटे थे। सुभाष उन्हें मेजदा कहते थे। शरदबाबू की पत्नी का नाम विभावती था।

शिक्षादीक्षा से लेकर आईसीएस तक का सफर

सुभाष का उन दिनों का चित्र जब वे सन् 1920 में इंग्लैण्ड आईसीएस करने गये हुए थे। कटक के प्रोटेस्टेण्ट स्कूल से प्राइमरी शिक्षा पूर्ण कर 1909 में उन्होंने रेवेनशा कॉलेजियेट स्कूल में दाखिला लिया। कॉलेज के प्रिन्सिपल बेनीमाधव दास के व्यक्तित्व का सुभाष के मन पर अच्छा प्रभाव पड़ा। मात्र पन्द्रह वर्ष की आयु में सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का पूर्ण अध्ययन कर लिया था। 1915 में उन्होंने इण्टरमीडियेट की परीक्षा बीमार होने के बावजूद द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण की। 1916 में जब वे दर्शनशास्त्र (ऑनर्स) में बीए के छात्र थे किसी बात पर प्रेसीडेंसी कॉलेज के अध्यापकों और छात्रों के बीच झगड़ा हो गया सुभाष ने छात्रों का नेतृत्व सम्हाला जिसके कारण उन्हें प्रेसीडेंसी कॉलेज से एक साल के लिये निकाल दिया

गया और परीक्षा देने पर प्रतिबन्ध भी लगा दिया। 49वीं बंगाल रेजीमेण्ट में भर्ती के लिये उन्होंने परीक्षा दी किन्तु आँखें खराब होने के कारण उन्हें सेना के लिये अयोग्य घोषित कर दिया गया। किसी प्रकार स्कॉटिश चर्च कॉलेज में उन्होंने प्रवेश तो ले लिया किन्तु मन सेना में ही जाने को कह रहा था। खाली समय का उपयोग करने के लिये उन्होंने टेरीटोरियल आर्मी की परीक्षा दी और फोर्ट विलियम सेनालय में रँगरूट के रूप में प्रवेश पा गये। फिर ख्याल आया कि कहीं इण्टरमीडियेट की तरह बीए में भी कम नम्बर न आ जायें सुभाष ने खूब मन लगाकर पढ़ाई की और 1919 में बीए (ऑनर्स) की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। कलकत्ता विश्वविद्यालय में उनका दूसरा स्थान था।

पिता की इच्छा थी कि सुभाष आईसीएस बनें किन्तु उनकी आयु को देखते हुए केवल एक ही बार में यह परीक्षा पास करनी थी। उन्होंने पिता से चौबीस घण्टे का समय यह सोचने के लिये माँगा ताकि वे परीक्षा देने या न देने पर कोई अन्तिम निर्णय ले सकें। सारी रात इसी असमंजस में वह जागते रहे कि क्या किया जाये। आखिर उन्होंने परीक्षा देने का फैसला किया और 15 सितम्बर 1919 को इंग्लैण्ड चले गये। परीक्षा की तैयारी के लिये लन्दन के किसी स्कूल में दाखिला न मिलने पर सुभाष ने किसी तरह किट्स विलियम हाल में मानसिक एवं नैतिक विज्ञान की ट्राइपास (ऑनर्स) की परीक्षा का अध्ययन करने हेतु उन्हें प्रवेश मिल गया। इससे उनके रहने व खाने की समस्या हल हो गयी। हाल में एडमीशन लेना तो बहाना था असली मकसद तो आईसीएस में पास होकर दिखाना था। सो उन्होंने 1920 में वरीयता सूची में चौथा स्थान प्राप्त करते हुए पास कर ली।

इसके बाद सुभाष ने अपने बड़े भाई शरतचन्द्र बोस को पत्र लिखकर उनकी राय जाननी चाही कि उनके दिलो-दिमाग पर तो स्वामी विवेकानन्द और महर्षि अरविन्द घोष के आदर्शों ने कब्जा कर रक्खा है ऐसे में आईसीएस बनकर वह अंग्रेजों की गुलामी कैसे कर पायेंगे? 22 अप्रैल 1921 को भारत सचिव ई0एस0 मान्टेग्यू को आईसीएस से त्यागपत्र देने का पत्र लिखा। एक पत्र देशवन्धु चित्तरंजन दास को लिखा। किन्तु अपनी माँ प्रभावती का यह पत्र मिलते ही कि पिता, परिवार के लोग या अन्य कोई कुछ भी कहे उन्हें अपने बेटे के इस फैसले पर गर्व है। सुभाष जून 1921 में मानसिक एवं नैतिक विज्ञान में ट्राइपास (ऑनर्स) की डिग्री के साथ स्वदेश वापस लौट आये।

स्वतन्त्रता संग्राम में प्रवेश और कार्य

कोलकाता के स्वतन्त्रता सेनानी देशबंधु चित्तरंजन दास के कार्य से प्रेरित होकर सुभाष दासबाबू के साथ काम करना चाहते थे। इंग्लैंड से उन्होंने दासबाबू को खत लिखकर उनके साथ काम करने की इच्छा प्रकट की। रवींद्रनाथ ठाकुर की सलाह के अनुसार भारत वापस आने पर वे सर्वप्रथम मुम्बई गये और महात्मा गांधी से मिले। मुम्बई में गांधी जी मणिभवन में निवास करते थे। वहाँ 20 जुलाई 1921 को गाँधी जी और सुभाष के बीच पहली मुलाकात हुई। गाँधी जी ने उन्हें कोलकाता जाकर दासबाबू के साथ काम करने की सलाह दी। इसके बाद सुभाष कोलकाता आकर दासबाबू से मिले।

उन दिनों गाँधी जी ने अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ असहयोग आंदोलन चला रखा था। दासबाबू इस आन्दोलन का बंगाल में नेतृत्व कर रहे थे। उनके साथ सुभाष इस आन्दोलन में सहभागी हो गये। 1922 में दासबाबू ने कांग्रेस के अन्तर्गत स्वराज पार्टी की स्थापना की। विधानसभा के अन्दर से अंग्रेज़ सरकार का विरोध करने के लिये कोलकाता महापालिका का चुनाव स्वराज पार्टी ने लड़कर जीता और दासबाबू कोलकाता के महापौर बन गये। उन्होंने सुभाष को महापालिका का प्रमुख कार्यकारी अधिकारी बनाया। सुभाष ने अपने कार्यकाल में कोलकाता महापालिका का पूरा ढाँचा और काम करने का तरीका ही बदल डाला। कोलकाता में सभी रास्तों के अंग्रेज़ी नाम बदलकर उन्हें भारतीय नाम दिये गये। स्वतन्त्रता संग्राम में प्राण न्योछावर करने वालों के परिवारजनों को महापालिका में नौकरी मिलने लगी।

बहुत जल्द ही सुभाष देश के एक महत्वपूर्ण युवा नेता बन गये। जवाहरलाल नेहरू के साथ सुभाष ने कांग्रेस के अन्तर्गत युवकों की इण्डिपेण्डेंस लीग शुरू की। 1927 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में सुभाष ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष उसके एक सदस्य थे। इस आयोग ने नेहरू रिपोर्ट पेश की। 1928 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में कोलकाता में हुआ। इस अधिवेशन में सुभाष ने खाकी गणवेश धारण करके मोतीलाल नेहरू को सैन्य तरीके से सलामी दी। गाँधी जी उन दिनों पूर्ण स्वराज्य की माँग से सहमत नहीं थे। इस अधिवेशन में उन्होंने अंग्रेज़ सरकार से डोमिनियन स्टेटस माँगने की ठान ली थी। लेकिन सुभाषबाबू और जवाहरलाल नेहरू को पूर्ण स्वराज की माँग से पीछे हटना मंजूर नहीं था। अन्त में यह तय किया गया कि अंग्रेज़ सरकार को डोमिनियन स्टेटस देने के लिये एक साल का वक्त दिया जाये। अगर एक साल में अंग्रेज़ सरकार ने यह माँग पूरी नहीं की तो कांग्रेस पूर्ण स्वराज की माँग करेगी। परन्तु अंग्रेज़ सरकार ने यह माँग पूरी नहीं की। इसलिये 1930 में जब कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ तब ऐसा तय किया गया कि 26 जनवरी का दिन स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उन पर लाठी चलायी और उन्हें घायल कर जेल भेज दिया। जब सुभाष जेल में थे तब गाँधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फाँसी माफ कराने के लिये गाँधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गाँधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपनी ओर से दिया गया वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार अपने स्थान पर अड़ी रही और भगत सिंह व उनके साथियों को फाँसी दे दी गयी। भगत सिंह को न बचा पाने पर सुभाष गाँधी और कांग्रेस के तरिकों से बहुत नाराज हो गये।

सुभाष चंद्र बोस के विचार

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। पहले वे सरकारी वकील थे मगर बाद में उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। उन्होंने कटक की महापालिका में लम्बे समय तक काम किया था और वे बंगाल विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। सुभाष चंद्र बोस के विचार बहुत ही ऊंचे थे। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें रायबहादुर का खिताब दिया था।

प्रभावती देवी के पिता का नाम गंगानारायण दत्त था। दत्त परिवार को कोलकाता का एक कुलीन परिवार माना जाता था। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 सन्तानें थी जिसमें 6 बेटियाँ और 8 बेटे थे। सुभाष उनकी नौवीं सन्तान और पाँचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरद चन्द्र से था। शरदबाबू प्रभावती और जानकीनाथ के दूसरे बेटे थे। सुभाष उन्हें मेजदा कहते थें। शरदबाबू की पत्नी का नाम विभावती था।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। महान शख्सियत सुभाष चन्द्र बोस के ऐसे ही कुछ विचार हम आपके लिए लेकर आये हैं :– ' सुभाष चंद्र बोस के विचार।

1. एक सैनिक के रूप में आपको हमेशा तीन आदर्शों को संजोना और उन पर जीना होगा - सच्चाई , कर्तव्य और बलिदान। जो सिपाही हमेशा अपने देश के प्रति वफादार रहता है, जो हमेशा अपना जीवन बलिदान करने को तैयार रहता है, वो अजेय है। अगर तुम भी अजेय बनना चाहते हो तो इन तीन आदर्शों को अपने हृदय में समाहित कर लो।

2. राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों सत्यम् , शिवम्, सुन्दरम् से प्रेरित है।

3. तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा।

4. भारत में राष्ट्रवाद ने एक ऐसी शक्ति का संचार किया है जो लोगों के अन्दर सदियों से निष्क्रिय पड़ी थी।

5. एक सच्चे सैनिक को सैन्य और आध्यात्मिक दोनों ही प्रशिक्षण की ज़रुरत होती है।

6. इतिहास में कभी भी विचार-विमर्श से कोई वास्तविक परिवर्तन हासिल नहीं हुआ है।

7. याद रखिए सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।

8. मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।

23 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है पराक्रम दिवस?

पूरे देश में जनवरी माह में पराक्रम दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस को मनाने की घोषणा की थी। पराक्रम दिवस के मौके पर कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। स्कूल कॉलेज में बच्चों को इस दिन का महत्व बताया जाता है और इसी दिन के जरिए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को याद किया जाता है। पराक्रम दिवस को मनाने के पीछे खास वजह है। इस दिन का नाता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से है। उनकी ही याद में पराक्रम दिवस को देश के एक खास दिन के रूप में मनाते हैं। नेताजी को इस दिन नमन किया जाता है और उनके योगदान को याद करते हैं। नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में ओजस्वी नारा दिया था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' इन नारे ने हर भारतीय के खून में उबाल ला दिया था और आजादी की जंग को तेज कर दिया था। आइए जानते हैं पराक्रम दिवस कब मनाते हैं। इस दिन को मनाने की शुरुआत क्यों हुई और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का पराक्रम दिवस से क्या नाता है।

कब है पराक्रम दिवस?

पराक्रम दिवस प्रतिवर्ष 23 जनवरी को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस को 23 जनवरी के दिन मनाने का फैसला किया। उसके बाद से हर साल पराक्रम दिवस मनाया जा रहा है।

23 जनवरी को ही क्यों मनाते हैं पराक्रम दिवस?

23 जनवरी को पराक्रम दिवस मनाने की वजह बेहद खास है। दरअसल यह दिन सुभाष चंद्र बोस की याद में मनाया जाता है। सुभाष चंद्र बोस का 23 जनवरी को जन्म हुआ था। इस दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जाती है, जिसे पराक्रम दिवस का नाम दिया गया।

सुभाष चंद्र बोस का पराक्रम दिवस से नाता

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संपूर्ण जीवन हर युवा और भारतीय के लिए आदर्श है। उन्होंने आजादी की जंग में शामिल होने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा का परित्याग कर दिया और इंग्लैंड से भारत वापस लौट आए। स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई में उन्होंने आजाद हिंद सरकार और आजाद हिंद फौज का गठन किया। खुद का आजाद हिंद बैंक स्थापित किया जिसे 10 देशों का समर्थन मिला। आज़ादी की जंग में उनके योगदान और उनके पराक्रम को याद करने के लिए सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

135 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में कोर्ट के पेंडिंग मामलों को लेकर आयोजित हुआ कार्यक्रम

कोर्ट में पेंडिंग मामलों पर जजों ने सरकार को कोसा

इलाहाबाद के पूर्व जज कमलेश्वर नाथ ने रखे अपने विचार

गुजरात एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज ने भी कहा सरकार है जिम्मेदार।

भारत के विभिन्न न्यायालयों में बढ़ते कोर्ट केस को लेकर चिंता जाहिर करते हुए पूर्व हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज ने चिंता जाहिर की है। दिनांक 22 जनवरी 2023 को आयोजित किए गए 135 वें राष्ट्रीय आरटीआई जूम मीटिंग के दौरान यह बात खुलकर सामने आई।

जजों की नियुक्तिऔर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी पेंडेंसी का मुख्य कारण–न्यायाधीश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड पूर्व जस्टिस कमलेश्वर नाथ ने मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर चर्चा की। वर्तमान कॉलेजियम सिस्टम पर उठे विवाद को लेकर कमलेश्वर नाथ ने कहा कि यदि सरकार कोई अपना कानून मंत्री अथवा प्रतिनिधि कॉलेजियन में नियुक्त करना चाहती है तो उसमें कॉलेजियम के जजों को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। न्यायपालिका और सरकार के बीच संवाद बना रहे इसके लिए आवश्यक है कि सरकार की तरफ से भी कोई सदस्य कोलेजियम में सम्मिलित हो।

लेकिन कॉलेजियम सिस्टम पूरी तरह से बंद हो जाए और सरकार का नियंत्रण हो जाए यह गलत होगा। वहीं देश में विभिन्न न्यायालयों में बढ़ते हुए कोर्ट केस को लेकर जस्टिस कमलेश्वर नाथ ने कहा कि इसके लिए कई बातें जिम्मेदार हैं जिसमें प्रमुख रूप से आधारभूत ढांचों की कमी के साथ पर्याप्त संख्या में जजों की कमी, सरकारी वकीलों का रुचि न लेना और साथ में प्रशासन द्वारा समय पर जवाब प्रस्तुत न किया जाना जैसे कई कारण जिमेदार हैं। उन्होंने राजनीति के अपराधीकरण पर भी चिंता जाहिर की और कहा कि कोर्ट में जज के समक्ष चार्ज फ्रेम होने के बाद जिनके आरोप तय हो चुके हैं ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने पर बैन लगाया जाना चाहिए।

जस्टिस मलिमठ कमेटी के 10 लाख लोगों के बीच 51 जजों की नियुक्तिठंडे बस्ते पर -एड़ीजे कनुभाई राठौर

वहीं मामले पर अपने विचार रखते हुए गुजरात के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज कनुभाई राठौर ने कहा कि देश में पेंडिंग मामलों के पीछे कई कारण हैं जिसमें प्रमुख रूप से उन्होंने भी आधारभूत ढांचे की कमी पर्याप्त व्यवस्था का अभाव और साथ में जजों और वर्कर्स की कमी ही मुख्य कारण बताया।

जज कनुभाई राठौर ने कहा कि जस्टिस मलिमथ कमेटी ने एक बार अपने अनुशंसा में बताया कि 10 लाख लोगों के बीच 51 जज होने चाहिए। लेकिन वर्तमान में देखा जाए तो सरकार ने 10 लाख लोगों के बीच 21 जज रखे थे जो प्रैक्टिकल तौर पर 14.4 जज प्रति 10 लाख लोग ही हैं। एडीजे कनुभाई राठौर ने बताया कि कॉलेजियम सिस्टम ठीक है और उसमें राजनीतिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। न्यायपालिका को और भी स्वायत्त और सक्षम बनाने के लिए सरकार प्रयास करें।

कार्यक्रम में नेशनल फेडरेशन फॉर सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के जनरल सेक्रेटरी प्रवीण भाई पटेल, जबलपुर हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा और उत्तराखंड आरटीआई रिसोर्स पर्सन एवं कंप्यूटर एजुकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार ठक्कर ने भी अपने विचार रखे।

प्रवीण भाई पटेल ने भी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उसकी नीतियों पर जमकर फटकार लगाई और कहा कि सरकार न्यायपालिका को भी कब्जे में करना चाहती है और अपने कंट्रोल में लेते हुए देश में अपना एक छत्र राज्य चलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को प्रभावित करने से पूरे देश की व्यवस्था खराब हो जाएगी और ऐसे में न्यायपालिका भी स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी, अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा, छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल, पत्रिका समूह के वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह और आरटीआई रिवॉल्यूशनरी ग्रुप के आईटी सेल के प्रभारी पवन दुबे के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में गुजरात से रोशनी सहित अन्य पार्टिसिपेंट्स ने भी अपने कई प्रश्न रखें जिसमें उपस्थित जजों ने जवाब प्रस्तुत किए।